epaper.dehatsandesh.com

3 एसीबी जांच में एआई के इस्तेमाल की तैयारी

5 दिल्ली मेरा दूसरा घर, खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं: अक्षर पटेल

8 सब्जियों में समेकित रोग प्रबंधन

न्यूनतम 18 मौसम जम्मू अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-71 | जम्मू तवी, रविवार 22 मार्च, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बातचीत, बुनियादी ढांचे पर हमले की निंदा की

नई दिल्ली, 21 मार्च । पश्चिम एशिया में पिछले 22 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से शनिवार को टेलीफोन कर बातचीत की और ईद एवं नवरोज़ की बधाई दी। मोदी ने आशा व्यक्त की कि यह त्योहारों का मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हालिया हमलों पर चिंता जताई और उनकी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित करते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा डालते हैं। श्री मोदी ने अपनी पोस्ट में कहा , राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेश्कियन से बातचीत की और ईद तथा नवरोज की शुभकामनाएं दीं। हमने आशा व्यक्त की कि यह उत्सव का मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आए। क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों पर हुए हमलों की निंदा की, जो क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि समुद्री मार्ग खुले और सुरक्षित बने रहें। ईरान में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा के लिए ईरान के निरंतर समर्थन की सराहना की। उल्लेखनीय है कि ईरान पर अमेरिका और इजरायल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई के बाद उपजे संकट के दौरान श्री मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति के साथ दूसरी बार बात की है। इससे पहले उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति के साथ गत 12 मार्च को बात की थी। उस समय उन्होंने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, नागरिकों की मौत और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की थी। प्रधानमंत्री ने युद्ध के बजाय बातचीत और कूटनीति से मुद्दों के समाधान का आह्वान किया था।

> "हमने आशा व्यक्त की कि यह उत्सव का मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आए

जम्मू में ईद का त्योहार वैश्विक शांति के लिए प्रार्थनाओं के साथ मनाया गया

जम्मू, 21 मार्च । कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिवार को जम्मू क्षेत्र में ईद-उल-फितर पूरे धार्मिक उत्साह और पारंपरिक उमंग के साथ मनाई गई। बड़ी संख्या में मुसलमान विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में एकत्रित हुए और मध्य पूर्व में शांति और संघर्षों के अंत के लिए प्रार्थना की।

ईद-उल-फितर रमज़ान के पवित्र महीने के अंत का प्रतीक है जिसे उपवास, प्रार्थना और दान के माध्यम से मनाया जाता है और यह खुशी, एकता और कृतज्ञता के त्योहार का स्वागत करता है। क्षेत्र भर की विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने नमाज अदा की। मुख्य सभा जम्मू के रेजिडेंसी रोड स्थित ईदगाह में आयोजित की गई जिसके बाद बठिंडी की मक्का मस्जिद और तालाब खाटिकां की जामिया मस्जिद में भी सभाएं हुईं।

धार्मिक विद्वानों ने करुणा, त्याग और कृतज्ञता पर जोर देते हुए इस दिन के महत्व को रेखांकित किया और विश्व भर में विशेष रूप से पश्चिम एशिया के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में शांति के लिए प्रार्थना की। जम्मू के शाही इमाम मुफ्ती इनायतुल्लाह कासमी ने कहा कि ईद एक महीने के रोज़े और इबादत के बाद खुशी और कृतज्ञता का दिन है। कासमी ने यहां पत्रकारों से कहा कि हम दुआ करते हैं कि अल्लाह सभी को खुशहाल, समृद्ध और स्वस्थ रखे, और मानवता शांति और सद्भाव में रहे। वैश्विक संघर्षों का जिक्र करते हुए शाही इमाम ने कहा कि युद्ध कोई समाधान नहीं है और उन्होंने देशों से संवाद के माध्यम से मतभेदों को सुलझाने का आग्रह किया।

बारिश और बादलों के बाद जम्मू में मौसम अब सामान्य

जम्मू, 21 मार्च । जम्मू में बीते कुछ दिनों में हुई बारिश और बादलों के बाद जम्मू में मौसम अब सामान्य हो गया है। शनिवार को साफ आसमान के साथ धूप निकली जिससे लोगों को सूर्य देव के दर्शन हुए और ठंड से राहत मिली।

मौसम विभाग के अनुसार आज जम्मू में अधिकतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है जबकि न्यूनतम तापमान 12-15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। श्रीनगर में अधिकतम तापमान 13 डिग्री और न्यूनतम 4 डिग्री के आसपास दर्ज किया जा सकता है।

मौसम में सुधार के साथ जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में तापमान में हल्की गिरावट जारी है लेकिन यह सामान्य स्तर पर है। पिछले सप्ताह की बारिश ने सूखे की स्थिति को कुछ हद तक कम किया था और अब साफ मौसम ने किसानों के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना दी हैं। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे अपनी कृषि गतिविधियां जैसे बुआई, छिड़काव, खरपतवार नियंत्रण और अन्य फसल संबंधी कार्य सामान्य रूप से शुरू कर सकते हैं। कोई बड़ा मौसमी व्यवधान नहीं होने की उम्मीद है इसलिए अगले कुछ दिनों में मौसम साफ और अनुकूल रहने वाला है।

जम्मू में मार्च के अंतिम सप्ताह में तापमान धीरे-धीरे बढ़ने की संभावना है जो ग्रीष्मकालीन फसलों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

जम्मू विश्वविद्यालय ने सिलेबस विवाद पर बनाई हाई लेवल कमेटी

जम्मू,, 21 मार्च । जम्मू विश्वविद्यालय ने पॉलिटिकल साइंस के सिलेबस को लेकर उठे विवाद के बाद एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। यह कदम हाल ही में मीडिया में सामने आए मुद्दों और छात्रों द्वारा उठाई गई आपत्तियों के मद्देनजर उठाया गया है। छात्रों ने सिलेबस में मुहम्मद अली जिन्ना से जुड़े विषय को शामिल किए जाने पर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि सिलेबस में इस तरह की सामग्री को लेकर स्पष्टता और पुनर्विचार की जरूरत है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि समिति इस पूरे मामले की जांच कर जल्द अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

जिन्ना का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं, आंदोलन के लिए मजबूर होंगे : शिवसेना (यूबीटी)

जम्मू, 21 मार्च। जम्मू विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के नए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (2026-2028) में पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना पर आधारित अध्याय शामिल किए जाने पर शिवसेना (यूबीटी) ने कड़ा विरोध दर्ज किया है। पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में पत्रकारों से विशेष बातचीत पर शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि मॉडर्न इंडियन पॉलिटिकल थॉट के अंतर्गत जोड़ा गया जिन्ना पर आधारित अध्याय तुरंत हटाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईद की मुबारकबाद दी, कहा अमेरिका-इजराइल द्वारा दुनिया पर थोपा गया अवैध युद्ध जल्द खत्म हो

जम्मू, 21 मार्च। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि अमेरिका और इजराइल द्वारा दुनिया पर थोपा गया अवैध युद्ध जल्द से जल्द समाप्त होना चाहिए।

हजरतबल दरगाह में ईद की नमाज अदा करने के बाद अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा कि आज मैंने सिर्फ अमेरिका और इजराइल द्वारा हम पर थोपे गए इस अवैध युद्ध के खत्म होने की दुआ की। अब्दुल्ला ने कहा कि पूरा मुस्लिम जगत अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है क्योंकि कोई भी मुस्लिम देश ऐसा नहीं है जो इस युद्ध से अछूता रहा हो। उन्होंने आगे कहा कि मध्य पूर्व में चल रहे इस युद्ध का असर भारत पर भी पड़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे भारत में मुसलमानों की भावनाएं प्रभावित हो रही हैं और हर भारतीय की ऊर्जा संबंधी जरूरतें प्रभावित हो रही हैं। लोगों को अपने घरों के संचालन के लिए जरूरी गैस और डीजल मिलने में दिक्कत हो रही है। श्रीनगर के नौहट्टा स्थित जामिया मस्जिद को लगातार सातवें वर्ष ईद की नमाज के लिए बंद किए जाने पर मुख्यमंत्री ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा अधिकारियों की कथनी और करनी में विरोधाभास है। एक ओर वे कहते हैं कि सब कुछ सामान्य है और दूसरी ओर वे ऐतिहासिक मस्जिद को बंद कर देते हैं। यह कैसी सामान्य स्थिति है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ईद-उल-फितर पर दी शुभकामनाएं

जम्मू, 21 मार्च। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को ईद-उल-फितर के अवसर पर देशवासियों और विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस मौके पर सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उपराज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि ईद-उल-फितर त्याग, संयम और भाईचारे का प्रतीक पर्व है, जो समाज में आपसी प्रेम और सौहार्द को मजबूत करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पवित्र त्योहार सभी के जीवन में नई खुशियां लेकर आएगा और समाज में शांति व एकता का संदेश फैलाएगा। उन्होंने अपने सोशल मीडिया संदेश में लिखा, ईद मुबारक

मत्स्य पालन विकास के लिए केंद्र ने जारी किए 111.66 करोड़, उपराज्यपाल ने जताया आभार

जम्मू, 21 मार्च। उपराज्यपाल, मनोज सिन्हा ने शनिवार को केंद्र सरकार द्वारा केंद्र शासित प्रदेश में एक व्यापक मत्स्य पालन विकास परियोजना को लागू करने के उद्देश्य से 111.66 करोड़ रुपये की केंद्रीय धनराशि जारी करने के लिए आभार व्यक्त किया। X पर एक पोस्ट के अनुसार, उपराज्यपाल सिन्हा ने इस वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय पंचायती राज एवं मत्स्य पालन मंत्री, राजीव रंजन सिंह को धन्यवाद दिया। उपराज्यपाल ने आगे बताया कि मंत्रालय द्वारा चालू वित्तीय वर्ष के लिए 10 करोड़ रुपये की मूल स्वीकृति जारी कर दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार ने प्रशासन को आश्वासन दिया है कि स्वीकृत राशि का उपयोग होने के बाद अतिरिक्त केंद्रीय हिस्सा जारी किया जाएगा। उपराज्यपाल ने अपनी पोस्ट में कहा, भारत सरकार केंद्र शासित प्रदेश में मछली पालकों की आजीविका और कल्याण में सुधार के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री की बातचीत, क्षेत्रीय तनाव और शांति पर जोर

नई दिल्ली/तेहरान, 21 मार्च । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत और ईरान के मध्य कूटनीतिक बातचीत तेज हो गई है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत कर क्षेत्रीय हालात और युद्ध के प्रभावों पर चर्चा की।

दोनों नेताओं के बीच बातचीत में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, उसके क्षेत्रीय प्रभाव और वैश्विक असर पर विचार-विमर्श हुआ। साथ ही भारत-ईरान के द्विपक्षीय संबंधों और भविष्य में सहयोग को मजबूत करने पर भी सहमति जताई गई। ईरानी विदेश मंत्री ने अमेरिका और इजराइल के हमलों को गलत बताते हुए कहा कि इन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया के स्वतंत्र देशों को एकजुट होकर उन देशों पर दबाव बनाना चाहिए, जो इस युद्ध के लिए जिम्मेदार हैं, ताकि हमले बंद हो सकें और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। अराघची ने फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य के हालात पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ता तनाव मौजूदा हमलों का परिणाम है और स्थिति तभी सामान्य हो सकती है, जब हमले पूरी तरह बंद हों और भविष्य में उनकी पुनरावृत्ति न हो। वहीं, जयशंकर ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत संवाद और कूटनीति के जरिए समाधान का समर्थक है।

पश्चिम एशिया संकट केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय : राजनाथ

हल्द्वानी, 21 मार्च । केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया एक संकट के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में लगातार हमले हो रहे हैं और यह केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि बल्कि पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इस पर भारत का पक्ष साफ है कि मामला बातचीत व कूटनीति से हल किया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर हल्द्वानी स्थित एमबी इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संभावित ऊर्जा या खाद संकट से निपटने में प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना की। सिंह ने कहा कि अब तक प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सूझबूझ के आधार पर वैश्विक संकट से भारत को दूर रखा है लेकिन भविष्य में इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर पैदा हुए संकट को दूर करने के लिए जो भी कोशिश की जा रही है, उसका उत्तराखंड वासियों के द्वारा भी उसका समर्थन किया जाना चाहिए।

राजनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर चुनाव में हार के बाद ईवीएम पर सवाल उठाने के साथ संवैधानिक व्यवस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह लगाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब-जब चुनाव हारती है, तब ये लोग ईवीएम को दोष देते हैं। कभी चुनाव आयोग को दोष देते हैं। ईसी से लेकर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) तक लगभग हर संस्था तब कठघरे में खड़ी कर दी गई जब उसके फैसले कांग्रेस के अनुमानों के विपरीत निकलते हैं।

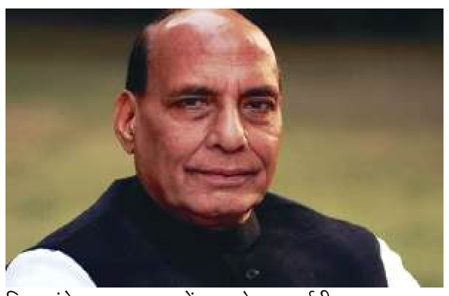

कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने विकास को सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाया है।

ट्रेन से गिरकर अज्ञात व्यक्ति की मौत

जम्मू,, 21 मार्च। बाड़ी-ब्राह्मणा क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है जहां करीब 30 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति बांद्रा एक्सप्रेस अप ट्रेन से गिरकर रेलवे प्लेटफॉर्म के पास किलोमीटर 88 के नजदीक मौत का शिकार हो गया।

यह घटना पीपी जीआरपी बाड़ी-ब्राह्मणा के अधिकार क्षेत्र में हुई। हादसे के बाद मौके पर ही व्यक्ति की मृत्यु हो गई।

एसएसपी रेलवे जम्मू के निर्देश पर शव को पोस्टमार्टम और पहचान के लिए जीएमसी जम्मू भेज दिया गया है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

माता वैष्णो देवी यात्रा भारी भीड़ के कारण अस्थायी रूप से स्थगित;

39,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

जम्मू, 21 मार्च। भवन पर भारी भीड़ के कारण शनिवार को माता वैष्णो देवी के गुफा मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई, क्योंकि देर दोपहर तक 39,000 श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की थी। 19 मार्च से शुरू हुए और 27 मार्च को समाप्त होने वाले चैत्र नवरात्रि के कारण भीड़ बढ़ गई है। श्राइन बोर्ड को इस अवधि के दौरान देशभर से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, भवन में भारी भीड़ के कारण यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस वाहनों ने यात्रा स्थगित होने की घोषणा की, और नया पंजीकरण रविवार सुबह 4 बजे फिर से शुरू होगा। घोषणा में कहा गया, तीर्थयात्रियों से अपने होटलों में वापस जाने के लिए कहा गया है क्योंकि यात्रा स्थगित कर दी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को 39,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र शहर कटरा का दौरा किया और जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने बताया कि भारी भीड़ के कारण शनिवार शाम 4 बजे यात्रा रोक दी गई। पंजीकरण के बाद 10,000 से अधिक तीर्थयात्री गुफा मंदिर के मार्ग में भी हैं। नवरात्रि के तीसरे दिन देवी का आशीर्वाद लेने के लिए सैकड़ों श्रद्धालु जय माता दी के जयकारे लगाते हुए माता वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर पदयात्रा करते देखे गए। अधिकारियों ने एक सुरक्षित और सुव्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए कटरा बेस कैंप और मंदिर के मार्ग में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है, गुरुवार को मंदिर में पवित्र शतचंडी महायज्ञ शुरू हो गया है, जो चैत्र नवरात्रि 2026 की शुभ शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पवित्र गुफा में वैदिक मंत्रों और अनुष्ठानों की दिव्य लहरें समस्त मानवता के लिए शांति, समृद्धि और कल्याण के आशीर्वाद का आह्वान कर रही हैं।

डिग्री के साथ-साथ स्किल्स भी ज़रूरी है : उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन

मुंबई, 21 मार्च। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मुंबई में कहा कि डिग्री के साथ-साथ स्किल्स भी जरुरी है। उन्होंने कहा कि डिग्री को रोजगार में बदलना भी ज़रूरी है। उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन शनिवार को लोकभवन में आयोजित रतन टाटा महाराष्ट्र स्टेट स्किल यूनिवर्सिटी के पहले कॉन्वोकेशन सेरेमनी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के ज़माने में टेक्निकल नॉलेज के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स और बदलती टेक्नोलॉजी के हिसाब से ढलने की काबिलियत को कामयाबी की चाबी माना जाता है। जो युवा एंटरप्रेन्योर बनना चाहते हैं, उन्हें रतन टाटा की मिसाल को फॉलो करना चाहिए। टाटा इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि मुनाफ़ा कमाने के साथ-साथ सोशल जिम्मेदारी कैसे पूरी की जाए। सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि हर इंसान की तरक्की ही समाज, राज्य और फिर देश की तरक्की है।उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि यूनिवर्सिटी के पहले दीक्षांत समारोह के ग्रेजुएट इतिहास का हिस्सा बन गए हैं। इन छात्रों ने न सिर्फ पढ़ाई में सफलता हासिल की है, बल्कि ये छात्र भारत को ग्लोबल स्किल हब बनाने की यात्रा में मील का पत्थर साबित होंगे। उद्योगों की मांग के अनुसार पाठ्यक्रम में बदलाव की जरूरत है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, ग्रीन एनर्जी और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक विषयों को शामिल करके छात्रों को वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार किया जाना चाहिए। दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद जापान ने नेचुरल रिसोर्स न होने के बावजूद जो तरक्की की, वह उनकी कड़ी मेहनत और डिसिप्लिन की वजह से है।

रतन टाटा महाराष्ट्र स्टेट स्किल यूनिवर्सिटी का पहला कॉन्वोकेशन सेरेमनी उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन की मौजूदगी में हुई

रूखे बालों में चमक लाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

जब हम अपने बालों को खोल कर ज्यादा धुल-मिटटी में जाते है तो ऐसे मे हमारे बाल रूखे और बेजान हो जाते है। ऐसे मे उनकी केयर करनी बहुत ही जरूरी होती है नही तो हमारे बोल टूट कर झड़ जाते है। कभी-कभी तो ज्यादा हेयर ड्रायर करने से, क्लोरीनेटर पानी से और स्टाइलिंग प्रोडक्ट भी हमारे बालों को बेजन बना देते हैं। ऐसे में रूखे बालों को कंघी करना बेहद मुश्किल काम हो जाता है। कंघी बालों में फंसती है और बाल टूट जाते हैं। आज हम आपके सामने रूखे और बेजान बालों की देखभाल करने के लिए ऐसे ही कुछ घरेलू उपाय लेकर आए हैं जिनहे अपनाकर आप अपने बालों में चमक ला सकती है।

1. दूध रूखे बालों को मुलायम करने के लिए एक कटोरी में कच्चा दूध लेकर रुई के फाहे से बालों की जड़ों और बालों में लगाएं और एक घंटे बाद सिर धो दें। 2. सीसम ऑइल
आप घर में सीसम ऑइल में नींबू का रस मिलाकर बालों और स्कैल्प पर आधा घंटा लगा कर रखें। बाद में गर्म पानी में एक टॉवेल को भिगो कर इसमें अपने बालो को लपेट लें और आधे घंटे बाद बालों को धो लें।

3. कद्दू बालों में चमच पाना चाहते है तो कद्दू के टुकड़ों को बॉयल कने के बाद ठंड़ा होने पर दही में मिलाकर 20 मिनट के लिए लगाएं।

4. कोका पाउडर दही में शहद, विनेगर, कोका पाउडर को मिला कर स्कैल्प और बालों में लगाएं और कैप पहन लें। कुछ समय बाद में इनहे धो लें।

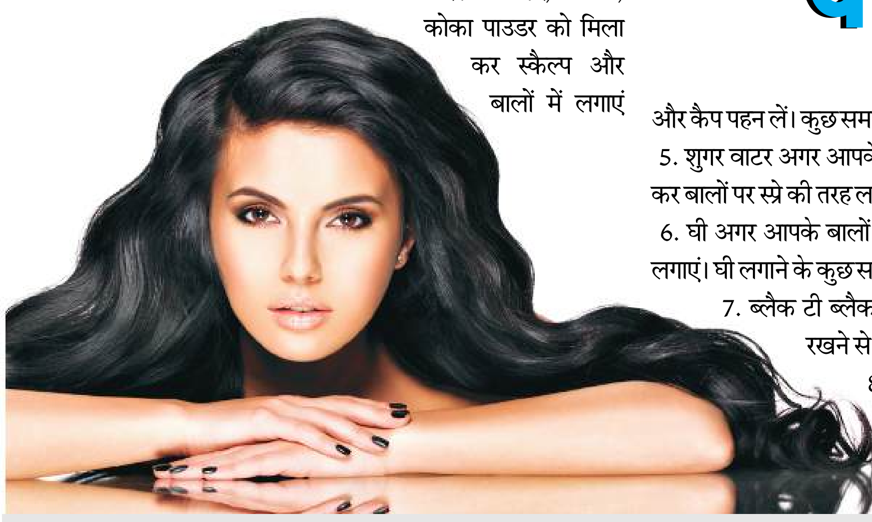

5. शुगर वाटर अगर आपके बाल झड रहें है तो पानी में एक चम्मच चीनी मिला कर बालों पर स्प्रे की तरह लगाएं। बाद में सूख जाने पर पनी से धो लें।

6. घी अगर आपके बालों में चमक नहीं है और रूखापन ज्यादा है तो देसी घी लगाएं। घी लगाने के कुछ समय बाद ही बालों को सैपू से धो लें।

7. ब्लैक टी ब्लैक टी बनाकर हफते में एक बार आधा घंटा लगा कर रखने से बालों में चमक आती है।

8.टी ट्री ऑयल टी ट्री ऑयल में शैंपू मिलाकर लगाने से बालों में चमक आती है क्योंकि इसमें एंटी फंगल और एंटी बेक्टेरिअल गुण होते है जो बालो को मजबार बनाए रखता है।

1 मिनट में चमकेगा चेहरा, बस अपनाएं ये बेस्ट तरीका !

लड़का हो या लड़की आजकल हर कोई गोरा और चमकदार चेहरा पाना चाहता है, जिस पर न तो पिंपल के दाग-धब्बे हो न ही झुर्रियां। वैसे तो जैसा हमारा खाना-पीना होगा, वैसे ही हमारे फेस और बालों की ग्रोथ होगी। अगर हमारा आहार पौष्टिक तत्वों से भरपूर नहीं है तो उसका असर हमारे चेहरे और बालों पर पड़ता है लेकिन खाने के साथ-साथ चेहरे और बालों की अलग से केयर करने की भी जरूरत होती है। इसके लिए आज के यंगस्टर्स महंगे से महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन अगर कास्मेटिक की बजाए अगर घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल किया जाए तो बेहतर है क्योंकि इनका न तो कोई साइड इफैक्ट होता है और न ही पैसे की बर्बादी होती है। उबले हुए चावल का पानी जिसे हम मांड कहते हैं, सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है लेकिन शायद आप यह नहीं जानते होंगे कि यह पानी सेहत के साथ साथ स्किन के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद है। इससे आपकी खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे। हफ्ते में एक बार इस घरेलू तरीके को अपना कर आप सौंदर्य सबंधी कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

स्किन के लिए चावल का पानी

चावल का पानी क्लींजर का काम करता है। चावल के पानी में प्रोटीन, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा के कारण त्वचा में नमी बनी रहती है। साथ ही त्वचा की रंगत में निखार आता है और दाग धब्बे, झुर्रिया दूर होती है। अगर आपके चेहरे की स्किन ढीली ढाली हो गई है तो चावल के पानी से कसावट और पोर्स टाइट होंगे।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कप चावल को पानी में अच्छी तरह से भिगो लें। आधे घंटे के बाद उसे गैस पर पकने दें। चावल पकने के बाद उसका माड़ निकाल लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें। फिर उस पानी से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। मसाज करने के 10 मिनट बाद चावल के पानी से ही चेहरा धोएं और सूखे कपड़े से पोंछे। आपको तुरंत ही अपनी त्वचा में बदलाव नजर आने लगेगा। बालों के लिए

फायदेमंद

त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी चावल का पानी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके बाल पतले या बेजान हैं तो चावलों के पानी से बालों को धोएं फिर शैम्पू और कंडीशनर करें लेकिन इन तरीकों को अपनाने से पहले डाक्टरी सलाह जरूर लें।

फटी एड़ियों से हैं परेशान तो इस तरह घर पर करें इलाज

ज्यादातर महिलाएं अपने पैरों की फटी एड़ियों से बहुत परेशान होती है। ऐसे में जब पैरों में हलकी सी भी दरार आ जाती है तो चलते समय पैरों में दर्द होता रहता है। यह सब आपकी लापरवाही के कारण होता है। फटी एड़ियों से इंफेक्शन भी हो जाती हैं। आज हम आपको इनकी दर्द से छुटकारा पाने के घरेलू उपायों के बारें में बताएगें। जिनसे आपके पैरों का दर्द गायब हो जाएगी और पैर कोमल और खूहसूरत दिखाई देगे। - बेकिंग सोडा और दूध का घोल अगर आप अपने पैरों की तकलीफ को कम करना चाहते है तो बेकिंग सोडा और दूध का घोल घर पर तैयार करके अपनाना चाहिए। दूध एक प्राकृतिक मॉइस्चारइज़र है जिसमें लैक?टिक एसिड होता है जो कि आपकी त्वचा को मुलायम और कामल बनाता है।

- इस तरह से तैयार करें घोल

1. सबसे पहले एक टब लें और उसमें 1 कप दूध और थोड़ा सा बेकिंग पावडर मिक्स कर लें।

2. अब इस घोल में अपने पौरों को डुबोएं। 3. अगर दूध न हो तो आप टब में 2 कप मिल्क पावडर भी डाल सकते हैं।

4. असके बाद में अपने पैरों की फटी एड़ियों को अच्छे से रगंड़े।

5. बाद में पैरों को इसमें से निकाल कर तौलिए से साफ कर लें।

6. इस विधि को रोज़ाना करने पर ही आपको दर्द से फायदा मिलेगा।

बढ़ती उम्र को थामनें में मददगार साबित होते है ये 5 एंटी एजिंग तेल

आजकल हर कोई चाहता है कि उनका चेहरा खिला और चमकता रहें, फिर चाहे वह महिला हो या पुरुष। ऐसे में आपकी बढ़ती उम्र आपके चाहरे पर झुर्रियां, त्वचा में रुखापन अदि छोड़ जाती है जिससे आपकी उम्र ज्यादा लगने लगती है। पर यह सब आपके खानपान से भी हो सकता है। आजकल बाजार में बहुत से ऐसे प्रोडक्ट्स आ रहे है जिनहें अपनाकर आप इन सब प्रोब्लेम्स को दूर कर सकते है और बढ़ती उम्र को भी रोकते है। पर जरूरी नहीं है कि यह उत्पाद हमारी त्वचा को ठीक हो। कभी-कभी इनसे नुकसान भी पहुंच सकता है।

आज हम आपको कुछ ऐसे एंटी-एजिंग तेलों के बारे में बताएगें जिनहे आप मार्केट में आसानी से खरीद सकती है। यह तेल आपकी बढ़ती उम्र को थामने में आपकी मदद करेगे। इनहे अपनाने से अपको बहुत से सौंदर्य लाभ हो सकते है। तो आइए जानते यह कौन से तेल है।

1. खुबानी की गिरी खुबानी की गिरी से बने हुए तेल में भरपूर मात्रा में लिनोलेनिक एसिड होता है जिसें लगाने से आपकी त्वचा अंदर कोमल, कोशिकाएं और कोलेजन उत्पादन अच्छा होता है। इसे लगाने से झुर्रियां भी ठीक हो जाती है।

2. बादाम तेल बादाम के तेल में विटामिन ई और विटामिन के पाया जाता है जिससे लगाने से त्वचा को चमकदार बनाई रखता है।

3. गरी का तेल गरी के तेल से चाहरे की मालिश करने से रूखापन दूर हो जाता है और पोषक तत्व भी मिल जाते है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई होता है

4. एवोकैडो तेल इस तेल में विटामिन ई और ए पाए जाते है। इसे लगाने से बढ़ती उम्र को रोका जा सकता है क्योंकि यह सबसे अच्छा स्वास्थ्यवर्धक तेल है।

5. आर्गन तेल अगर आपके चेहरे पर झुर्रियां पड़ गई है तो इसे लगाने से वह दूर हो जाती है और त्वचा को नमी व चमक आती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

देवयानी राणा ने बाबा कैलाख नाथ में किसान मेले का दौरा किया

जम्मू, 21 मार्च। सांसद सत शर्मा और नग्रोटा की विधायक देवयानी राणा ने आज बाबा कैलाख नाथ मंदिर, थत्थर में बागवानी विभाग द्वारा लगाए गए विभागीय स्टॉलों का दौरा किया। यह दौरा किसानों और आम जनता के लिए आयोजित दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम के दौरान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य बागवानी अधिकारी जम्मू आर. कोटवाल, मुख्य कैनिंग प्रशिक्षक संजीव कुमार कार्लूपिया, बागवानी विकास अधिकारी भलवाल रविंदर कुमार और विभाग के फील्ड स्टाफ के सदस्य उपस्थित थे।

विभाग ने किसानों के लिए उपलब्ध विभिन्न बागवानी योजनाओं और सब्सिडी के बारे में जानकारी दी। उन्हें बागवानी की प्रमुख पहलों के बारे में बताया गया, जिनमें उच्च घनत्व वाले फलों के बाग लगाना, फलों की फसलों के तहत क्षेत्र का विस्तार करना, पुराने और कम पैदावार वाले बागों का जीर्णोद्धार करना, फलों की नर्सरी स्थापित करना, और HADP, JKCIP, MIDH, CSS जैसी अन्य योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, उन्हें कटाई के बाद के प्रबंधन के तरीकों जैसे ग्रेडिंग, पैकेजिंग और मूल्य संवर्धन के बारे में भी जानकारी दी गई।

बड़ी संख्या में किसानों और स्थानीय निवासियों ने इन स्टॉलों का दौरा किया और विभिन्न योजनाओं तथा घटकों के तहत लाभ उठाने में गहरी रुचि दिखाई।

माननीय अतिथियों ने किसानों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की और उत्पादकता तथा आय बढ़ाने के लिए आधुनिक बागवानी तरीकों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी (JKAACL) ने भी किसान मेले में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

भदरवाह में ईद-उल-फितर पूरे धार्मिक उत्साह के साथ मनाई गई

भदरवाह, 21 मार्च। आज भदरवाह में ईद-उल-फितर का त्योहार बड़े उत्साह और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया।

पवित्र महीना रमज़ान के समापन के अवसर पर, सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालु ईद की विशेष नमाज़ अदा करने के लिए ईदगाह में एकत्रित हुए।

भदरवाह के अतिरिक्त उपायुक्त सुनील कुमार बुत्याल ने, नागरिक और पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर, ईदगाह का दौरा किया और ईद-उल-फितर के शुभ अवसर पर लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आम जनता के सदस्यों से बातचीत भी की और शांति, समृद्धि तथा सांप्रदायिक सद्भाव के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। प्रशासन द्वारा उत्सवों को सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। इनमें पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और अन्य इंतज़ाम शामिल थे।

एसएमवीडीयू बायोटेक्नोलॉजी के छात्रों ने गेट 2026 में लहराया परचम, प्रदेश का नाम किया रौशन

जम्मू, 21 मार्च (हि.स.)। कटड़ा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों ने गेट 2026 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया है। यह परीक्षा आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित की गई थी जिसमें देशभर के प्रतिभाशाली छात्रों ने भाग लिया। एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी के पोस्टग्रेजुएट छात्रों में राजकुमार (बायोटेक्नोलॉजी - बीटी), ओमेश (लाइफ साइंसेज - एक्सएल) और बदल शाह (लाइफ साइंसेज - एक्सएल) ने सफलता हासिल की। इसके अलावा, नियमित एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी प्रोग्राम की छात्रा मधु शर्मा जो स्कूल के टिशू कल्चर लैब में अपने शोध कार्य में संलग्न हैं ने भी लाइफ साइंसेज (एक्सएल) में गेट 2026 उत्तीर्ण किया।

सभी छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय डीबीटी समर्थित एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी प्रोग्राम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और समन्वय को दिया। उन्होंने विशेष रूप से प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो. शारदा एम. पोटुकुची और अपने प्रोजेक्ट सुपरवाइजर का आभार व्यक्त किया जिनके सहयोग और प्रेरणा से यह उपलब्धि संभव हो पाई। छात्रों ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल, आधुनिक प्रयोगशालाओं और सभी फैकल्टी सदस्यों के सहयोग की सराहना की। वहीं, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के प्रमुख डॉ. अनिल कुमार और अन्य शिक्षकों ने छात्रों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छात्रों ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार का भी आभार जताया जिनके दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर प्रोत्साहन से संस्थान में उत्कृष्टता का वातावरण बना हुआ है।

एसीबी जांच में एआई के इस्तेमाल की तैयारी

जम्मू,, 21 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच प्रक्रियाओं को और प्रभावी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया जाएगा।

उपराज्यपाल प्रशासन ने इसके लिए एक तकनीकी मूल्यांकन समिति के गठन को मंजूरी दे दी है। यह समिति एआई के उपयोग की संभावनाओं और प्रभावों का अध्ययन कर 45 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इस पहल का उद्देश्य जांच प्रणाली को अधिक पारदर्शी, तेज और आधुनिक बनाना है।

ईद-उल-फितर पर एसएसपी मोहिता शर्मा का संदेश-शांति भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने की अपील

कठुआ, 21 मार्च (हि.स.)। जिला पुलिस कठुआ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा आईपीएस ने ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर जिले के लोगों, पुलिस शहीदों के परिवारों तथा सेवारत एवं सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में एसएसपी मोहिता शर्मा ने सभी के लिए शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारे की कामना करते हुए कहा कि यह पर्व समाज में प्रेम, करुणा और एकता की भावना को और मजबूत करे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस त्योहार को आपसी सम्मान, सौहार्द और एकजुटता के साथ मनाएं। साथ ही उन्होंने लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह किया ताकि पूरे जिले में ईद का त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

अवैध खनन में लिप्त 6 वाहन जब्त

कठुआ, 21 मार्च (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए हीरानगर और लखनपुर क्षेत्रों में 6 वाहनों को जब्त किया है। जब्त किए गए वाहनों में 5 डंपर और 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली शामिल हैं, जो बिना वैध अनुमति निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन में लगे हुए थे। जानकारी के अनुसार हीरानगर पुलिस टीम ने गश्त के दौरान 2 डंपर और 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा, जबकि लखनपुर पुलिस ने अलग कार्रवाई में 3 डंपरों को जब्त किया। पुलिस ने सभी जब्त वाहनों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञान एवं खनन विभाग कठुआ को सौंप दिया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अवैध खनन पर सख्ती-4 महीने में 340 वाहन जब्त, 64.75 लाख रुपये जुर्माना वसूला

कठुआ, 21 मार्च (हि.स.)। जिला खनन विभाग कठुआ ने अवैध खनन और खनिज परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पिछले चार महीनों में 340 वाहनों को जब्त एवं दंडित किया है। इस दौरान विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने वालों से 64.75 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना भी वसूला है। जिला खनन कार्यालय के अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच की गई है। विभाग ने जिला खनिज अधिकारी वरिंदर सिंह के कार्यभार संभालने के बाद अभियान को और तेज किया है। अधिकारियों ने बताया कि उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा और निदेशक भू-विज्ञान एवं खनन विभाग एसपी रुकवाल के निर्देशों के तहत अवैध खनन पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। विभाग द्वारा दिन-रात छापेमारी, विभिन्न स्थानों पर नाके और हॉटस्पॉट क्षेत्रों में लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

जेकेपीसीसी प्रतिनिधिमंडल ने एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात कर उठाए अहम मुद्दे

जम्मू, 21 मार्च (हि.स.)। जम्मू में कांग्रेस की प्रदेश इकाई के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से लोक भवन में मुलाकात कर विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को उनके समक्ष रखा। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जेकेपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला ने किया जिसमें मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा सहित कई वरिष्ठ नेता और शरणार्थी प्रतिनिधि शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर में स्टेटहुड की बहाली, एलपीजी संकट, 1947, 1965 और 1971 के शरणार्थियों के लिए पूर्ण पैकेज तथा पीओजेके शरणार्थियों को एसटी-2 का दर्जा देने की मांग उठाई। नेताओं ने बताया कि वर्ष 2014 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निर्देश पर कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार

द्वारा प्रति परिवार 30 लाख रुपये का व्यापक पैकेज प्रस्तावित किया गया था लेकिन अब तक केवल 5.5 लाख रुपये ही स्वीकृत हुए हैं और वह भी सभी परिवारों तक नहीं पहुंच पाए हैं।

इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर में एलपीजी की कमी पर चिंता जताते हुए तीर्थयात्रा और पर्यटन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त कोटा देने की मांग की। बढ़ते अपराध और नशे की समस्या पर भी चिंता व्यक्त करते हुए अतिरिक्त भर्ती और सुरक्षा बलों की तैनाती की जरूरत बताई गई। प्रतिनिधियों ने बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास, शहरी विकास विभाग को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराने, कश्मीरी प्रवासी समुदाय के राहत एवं पुनर्वास को मजबूत करने और विभिन्न विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगियों व अस्थायी कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए विशेष पैकेज देने की मांग भी उठाई। उपराज्यपाल से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि इन मुद्दों पर शीघ्र ठोस कदम उठाए जाएंगे ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

डोडा ज़िले में ईद-उल-फ़ित्र पूरी श्रद्धा और एकता के साथ मनाई गई

डोडा, 21 मार्च। पूरे डोडा ज़िले में ईद-उल-फ़ित्र का त्योहार बड़े उत्साह और धार्मिक जोश के साथ मनाया गया। आज सुबह डोडा के ईदगाह में मुस्लिम समुदाय के लोगों की एक बड़ी भीड़ ने ईद की विशेष नमाज़ अदा की।

इस सामूहिक नमाज़ की अगुवाई डोडा की जामिया मस्जिद के इमाम ने की। इस मौके पर डोडा के डिप्टी कमिश्नर कृष्ण लाल, सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस संदीप कुमार मेहता, वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ अन्य सिविल और पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

डोडा ज़िला प्रशासन ने त्योहार के शांतिपूर्ण और सुचारू आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतज़ाम किए थे। जनता की सुविधा के लिए सुरक्षा

के पुख्ता इंतज़ाम, यातायात प्रबंधन और ज़रूरी नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं।

डोडा के डिप्टी कमिश्नर और SSP ने ईद-उल-फ़ित्र के मौके पर लोगों को हार्दिक बधाई दी और दिल से ईद मुबारक कहा। उन्होंने भाईचारे, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने में इस त्योहार के महत्व पर ज़ोर दिया।

उन्होंने त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में जनता द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की।

ज़िले भर के अलग-अलग ईदगाहों में भी इसी तरह की नमाज़ें अदा की गईं। इन जगहों पर भी लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए और पूरी श्रद्धा के साथ इस मौके को मनाया। लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी, जो एकता और एकजुटता की सच्ची भावना को दर्शाता है।

रामबन भर में ईद-उल-फितर पूरे धार्मिक उत्साह के साथ मनाई गई

रामबन, 21 मार्च। आज पूरे रामबन जिले में ईद-उल-फितर पूरे धार्मिक उत्साह और खुशी के साथ मनाई गई। सबसे बड़ी जमातें जामिया मस्जिद शरीफ रामबन और बनिहाल, गोल और बटोटे के ईदगाहों में देखी गईं, जहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु ईद की नमाज़ अदा करने और केंद्र शासित प्रदेश तथा पूरे देश में शांति, विकास और समृद्धि के लिए दुआ करने के लिए इकट्ठा हुए। रामबन के डिप्टी कमिश्नर, मोहम्मद इलियास खान ने लोगों को ईद की दिली मुबारकबाद दी और इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐसे मौके समाज में एकता, सांप्रदायिक सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं।

त्योहार युवाओं और विरासत के बीच की खाई को पाटते हैं : शैलेंद्र कुमार

जम्मू, 21 मार्च। जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी ने आज जम्मू के अभिनव थिएटर में भद्रदेश उत्सव 2026 का आयोजन किया। यह एक भव्य समारोह था जिसमें भद्रदेश के ऐतिहासिक क्षेत्र की हज़ारों साल पुरानी सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया।

इस अवसर पर वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शैलेंद्र कुमार मुख्य अतिथि थे, जबकि संस्कृति विभाग के प्रधान सचिव बृज मोहन शर्मा विशिष्ट अतिथि थे। बानी के विधायक डॉ. रामेश्वर सिंह और छ्व्र्ष्टरु की सचिव हरविंदर कौर भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।

इससे पहले, क्लस्टर यूनिवर्सिटी जम्मू के छात्र कल्याण डीन प्रोफेसर डी. एस. मन्हास ने

भद्रदेश के सांस्कृतिक महत्व और इसकी समृद्ध लोक परंपराओं तथा विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में, शैलेंद्र कुमार ने जम्मू और कश्मीर की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए छ्व्र्ष्टरु के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे त्योहार युवा पीढ़ी को उनकी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में अपनी पहली पोस्टिंग के दौरान भद्रदेश के साथ अपने पिछले जुड़ाव को भी याद किया।

डॉ. रामेश्वर सिंह ने भद्रदेश उत्सव का आयोजन करने और क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को उजागर करने के लिए अकादमी की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोगों को पहाड़ी होने पर गर्व महसूस करना चाहिए।

इस अवसर पर, बृज मोहन शर्मा ने सम्मान और सराहना के प्रतीक के रूप में विधायक और मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भद्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली पारंपरिक लोक प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला शामिल थी भद्रवाह की डॉ. आरती चरक ने नाग स्तुति प्रस्तुत की, जबकि हिमालयन लोक नाट्य समूह ने कुलवंत मन्हास द्वारा निर्देशित एक लघु नाटिका (स्किट) प्रस्तुत की। पद्दर के नवरत्न शेट्यान और उनके समूह ने पदरी खरज़थ प्रस्तुत किया, जो पद्दर में नाग मंदिर के सामने किया जाने वाला एक पारंपरिक सामुदायिक नृत्य है।

पुंछ में ईद-उल-फितर पूरे धार्मिक उत्साह के साथ मनाई गई

पुंछ, 21 मार्च। पूरे पुंछ जिले में ईद-उल-फितर का त्योहार बड़े धार्मिक उत्साह, उमंग और सांप्रदायिक सद्भाव के साथ मनाया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने उत्सवों में भाग लिया। एकता और भाईचारे के शानदार प्रदर्शन के रूप में, विभिन्न समुदायों के लोग इस शुभ अवसर को मनाने के लिए एक साथ आए। सबसे बड़ी भीड़ पुंछ स्थित ईदगाह में देखी गई, जहाँ सुबह हजारों मुसलमानों ने ईद की विशेष नमाज़ अदा की। पुंछ के उपायुक्त (DC) अशोक कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) शफकत हुसैन भट ने, जिला प्रशासन और पुलिस के अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर, उत्सवों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे सांप्रदायिक सद्भाव और धार्मिक सहिष्णुता की भावना को और बल मिला।

चैत्र नवरात्रि पर रेलवे का विशेष अभियान, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा पर फोकस

जम्मू, 21 मार्च (हि.स.)। चैत्र नवरात्रि के दौरान माता वैष्णो देवी आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 21 मार्च को जम्मू मंडल द्वारा जम्मू तवी रेलवे स्टेशन और श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन पर विशेष अभियान चलाया गया। सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर उचिता सिंघल के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, टिकट चेकिंग स्टाफ और भारत स्काउट्स और गाइड्स के स्वयंसेवकों ने मिलकर व्यवस्थाओं को संभाला। अभियान के तहत भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के स्वयंसेवकों ने प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को मार्गदर्शन दिया विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों की सहायता पर ध्यान केंद्रित किया गया। यात्रियों को फुटबोर्ड पर यात्रा न करने और चलती ट्रेन में चढ़ने से बचने जैसी महत्वपूर्ण सुरक्षा सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया।

टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर सघन जांच अभियान चलाया गया जिसमें बिना टिकट यात्रा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई, ताकि आरक्षित श्रेणी के यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। लंबी कतारों से बचाने के लिए यात्रियों को रेलवन ऐप के उपयोग और डिजिटल भुगतान के फायदे बताए गए। साथ ही, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से यात्रियों से रेलवे संपत्ति को साफ रखने और वैध टिकट के साथ यात्रा करने की अपील की गई।

स्टेशनों पर 'हेल्प डेस्क' भी स्थापित किए गए, जहां यात्रियों को हर प्रकार की जानकारी और सहायता प्रदान की गई। उचिता सिंघल ने कहा कि नवरात्रि के दौरान यात्रियों की संख्या में काफी वृद्धि होती है, ऐसे में रेलवे का उद्देश्य केवल राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि हर श्रद्धालु की सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा सुनिश्चित करना है।

अखनूर में सिविल सोसायटी का भव्य आयोजन, विधायक मोहन लाल भगत बने मुख्य सलाहकार

जम्मू, 21 मार्च (हि.स.)। अखनूर में सिविल सोसायटी अखनूर द्वारा एक भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक मोहन लाल भगत ने हस्ताक्षर कर संगठन के मुख्य सलाहकार का दायित्व स्वीकार किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान शिव कुमार गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई जबकि संस्थापक कुंवर शक्ति सिंह ने संगठन की कार्यप्रणाली और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान डॉ. तिलक राज गुप्ता, शिव सराफ और राकेश कुमार सुपकल को सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

कार्यकारी समिति में जगपाल पनोच को संयुक्त सचिव बनाया गया, जबकि जनरल बॉडी में राकेश गुप्ता, चंदन पटयार, अनिल अबरोल, नितिश अबरोल और कैप्टन जुगल गुप्ता को शामिल किया गया। कार्यक्रम में कार्यकारी प्रधान द्वारका नाथ अबरोल, उप प्रधान नरिंदर लांगर, महासचिव रितेश गुप्ता, सचिव अशोक कुमार, संयुक्त सचिव रंजीत गुप्ता, संयोजक अंशुल गुप्ता और वित्त सचिव पवन कुमार भारती सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में विधायक मोहन लाल भगत ने सिविल सोसायटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी क्षेत्र का विकास नागरिक समाज के सहयोग के बिना संभव नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे संगठन के साथ मिलकर अखनूर के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य करेंगे। कार्यक्रम के अंत में कार्यकारी प्रधान द्वारका नाथ अबरोल ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

पानी के बिल समय पर भरें

यह ध्यान देने लायक बात है कि जम्मू म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने पानी के बिल चुकाने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। सभी रोज़ाना के अखबारों में इस बारे में खबरें छपी हैं, जिनमें उपभोक्ताओं से 31 मार्च, 2026 से पहले बिल चुकाने की अपील की गई है। यह पहल अधिकारियों की उस गंभीर चिंता को दर्शाती है जो बकाया राशि के बढ़ते अंबार और इस समस्या को समय पर और प्रभावी ढंग से हल करने की तत्काल आवश्यकता को लेकर है। ऐसे अभियान न केवल जनता को जानकारी देते हैं, बल्कि उन्हें उनके नागरिक कर्तव्यों की भी याद दिलाते हैं, जो बुनियादी सेवाओं के सुचारू रूप से चलने के लिए ज़रूरी हैं।

खबरों के मुताबिक, जल शक्ति विभाग के डिवीज़न 1 और 2, जो JMC के अधिकार क्षेत्र में काम करते हैं, उन्होंने भी जम्मू भर में अलग-अलग जगहों पर 12 खास कैंप लगाए हैं। इनका मकसद निवासियों को पानी के बिल समय पर चुकाने के महत्व के बारे में जागरूक करना और मौके पर ही बिल चुकाने की आसान सुविधा देना है। डिवीज़न 1 के तहत, रूपनगर, धोंथली, रेशम घर, जानीपुर और हजूरी बाग में कैंप लगाए गए हैं; जबकि डिवीज़न 2 के तहत, कुंजवानी, त्रिकुटा नगर, सैनिक कॉलोनी, डिगियाना आश्रम, चन्नी हिम्मत, चन्नी रामा और ग्रेटर कैलाश में कैंप चल रहे हैं। यह बताना ज़रूरी है कि पूरे जम्मू शहर में पानी के लगभग 30 करोड़ रुपये के बिल अभी भी बकाया हैं। इसका विभाग की बुनियादी ढांचे को बनाए रखने और उसे बेहतर बनाने की क्षमता पर काफ़ी बुरा असर पड़ता है।

लोगों को यह समझना चाहिए कि पानी और बिजली के बिल चुकाना बुनियादी ढांचे को बनाए रखने और सेवाओं को जारी रखने के लिए ज़रूरी है। क्योंकि पानी की हर बूंद और बिजली की हर यूनिट के लिए सरकार को बहुत सारा पैसा खर्च करना पड़ता है और कई संसाधनों का इस्तेमाल करना पड़ता है। बिल चुकाने में देरी करने की आदत अधिकारियों के लिए कई मुश्किलें खड़ी करती है। इसलिए, लोगों को अपने बिल समय पर चुकाने चाहिए। यह ज़िम्मेदारी न केवल प्रशासनिक है, बल्कि नैतिक भी है, क्योंकि सार्वजनिक सेवाएं काफी हद तक जनता के सहयोग पर निर्भर करती हैं।

इस रोज़मर्रा की ज़िम्मेदारी को नज़रअंदाज़ करना बहुत आसान है, लेकिन लोगों को यह समझना चाहिए कि यह लापरवाही अधिकारियों के लिए अपने कामकाज को संभालने और पीने के पानी की लगातार सप्लाई सुनिश्चित करने में एक बड़ी समस्या खड़ी कर सकती है। इस मामले में लापरवाही का रवैया बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि इसके नतीजे सिर्फ़ निजी असुविधा तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि ये सप्लाई सिस्टम के रखरखाव, सेवाओं की गुणवत्ता और इस ज़रूरी संसाधन के सभी तक समान वितरण पर भी असर डालते हैं। आज के दौर में, जब पानी की कमी एक तेज़ी से बढ़ती हुई गंभीर चिंता बनती जा रही है, समय पर भुगतान करना केवल एक वित्तीय कर्तव्य ही नहीं, बल्कि पानी के टिकाऊ और कुशल प्रबंधन की दिशा में एक साझा जिम्मेदारी भी है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है, वह है ऐसी पहलों को मज़बूत बनाने में जन जागरूकता और जन भागीदारी की भूमिका। जब नागरिक सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं और ऐसे अभियानों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं, तो इससे ज़िम्मेदारी और जवाबदेही की एक संस्कृति का निर्माण होता है। इसके परिणामस्वरूप, अधिकारियों को बेहतर योजना बनाने, सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करने और यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि आवश्यक सेवाएँ बिना किसी रुकावट के हर घर तक पहुँचें। इसलिए, जिन लोगों के पास नल के पानी के क्ष्ा।श्व कनेक्शन हैं, उनके लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि वे ज़रा भी समय बर्बाद न करें और अपने बकाया बिलों का भुगतान कर दें, ताकि अधिकारी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित कर सकें और कनेक्शन काटे जाने जैसी स्थिति उत्पन्न न हो।

हर बूंद की पुकार- जल संरक्षण ही समाधान

– योगेश कुमार गोयल

> विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है, इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए।

जल संकट दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है।

इसीलिए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है।

यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। सही मायनों में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है।

विश्व जल दिवस 2026 की थीम है 'जल और लिंग' (Water and Gender)Ð यह थीम लिंग और जल तक पहुंच के बीच के महत्वपूर्ण और प्रायः असमान संबंध को उजागर करती है तथा साथ ही इस बात पर भी जोर देती है कि वैश्विक जल संकट का सबसे अधिक बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है और उन्हें नेतृत्व एवं निर्णय लेने में शामिल किया जाना चाहिए। जल प्रबंधन एक लैंगिक मुद्दा है, जिसमें महिलाएं और लड़कियां अक्सर पानी इकट्ठा करने के लिए जिम्मेदार होती हैं और स्वच्छता सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित होती है।

दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। 'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है।

पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं।

विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है, इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान भी पूरी दुनिया को चेता चुके हैं कि उन्हें इस बात का डर है कि आगामी वर्षों में पानी की कमी गंभीर संघर्ष का कारण बन सकती है। इसीलिए यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि दुनियाभर में लोग बेशकीमती पानी की महत्ता को समय रहते समझें और इसके संरक्षण हर स्तर पर अपना योगदान दें।

दरअसल पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जाता रहा है कि भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो अब पूरी तरह गायब हो गए हैं।

महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और यदि भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण नहीं हो पाने के कारण ही इसका भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता। वर्षा के पानी का करीब 15 फीसद वाष्प के रूप में उड़ जाता है और करीब 40 फीसद पानी नदियों में बह जाता है जबकि शेष पानी जमीन द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे थोड़ा बहुत भूमिगत जल स्तर बढ़ता है और मिट्टी में नमी की मात्रा में कुछ बढ़ोतरी होती है। इसलिए यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण कर उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

पानी को मानव की मूलभूत आवश्यकता, अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर व अति विशिष्ट प्राकृतिक संसाधन मानते हुए 1987 में जल संसाधनों के नियोजन एवं विकास के लिए 'राष्ट्रीय जल नीति' घोषित की गई थी। इसके क्रियान्वयन के मामले में और तेजी लाने की जरूरत है। राष्ट्रीय जल नीति की घोषणा करते समय कहा गया था कि देश में उपलब्ध जल संसाधनों के विकास, संरक्षण, समुचित उपयोग एवं प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। देश में जल संकट के विकराल रूप धारण करते जाने के पीछे जनसंख्या विस्फोट के साथ-साथ पानी की उपलब्धता में हो रही कमी तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा पानी का दुरूपयोग, कुप्रबंधन एवं दूषित होता पेयजल आदि और भी कई ऐसी वजहें हैं, जो समस्या को विकराल बना रही हैं।

हमें यह भली-भांति समझना होगा कि पानी प्रकृति की अमूल्य देन है और हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते। विकराल होते जल संकट का समाधान तभी संभव है, जब आमजन में इस दिशा में जागरूकता पैदा करने के अपेक्षित प्रयास किए जाएं तथा सरकारी प्रयासों के साथ-साथ हर नागरिक भी पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिए अपने-अपने स्तर पर प्रयास करे।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

मानव-केंद्रित एआई- भारत की विशिष्ट पहचान

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

नई तकनीकी क्रांति के इस दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक शक्ति संतुलन, आर्थिक निवेश और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाला परिवर्तनकारी उपकरण बन चुका है। देश की राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह संकेत स्पष्ट कर दिया कि भारत इस परिवर्तन के केंद्र में स्वयं को स्थापित कर रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार यह आयोजन भव्य रूप से सफल रहा और देश को एआई क्षेत्र में 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह आंकड़ा आज सिर्फ आर्थिक भरोसे का संकेत नहीं है, यह तो वैश्विक मंच पर भारत की नीति-दृष्टि की स्वीकृति को रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मानव एआई की परिकल्पना इंसानों का, इंसानों द्वारा और इंसानों के लिए एआई को व्यापक वैश्विक समर्थन मिला। इस दृष्टि का सार यह है कि एआई का विकास केवल व्यावसायिक लाभ या तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित न रहे, बल्कि सामाजिक कल्याण, नैतिक मानकों और समावेशी विकास को प्राथमिकता दे। समिट में 70 से अधिक देशों ने अंतिम घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जोकि पिछले सम्मेलन से अधिक संख्या है। वस्?तुत- यह तथ्य दर्शाता है कि जिम्मेदार और नैतिक एआई पर भारत की पहल को बहुपक्षीय समर्थन प्राप्त हुआ है।

निवेश का अभूतपूर्व प्रवाह- विश्वास का आर्थिक रूप

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अवसंरचना से जुड़े निवेश प्रस्ताव 250 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुके हैं, जबकि डीप-टेक और वेंचर कैपिटल निवेश प्रतिबद्धताएं लगभग 20 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। इन प्रतिबद्धताओं का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि एआई अवसंरचना में उच्च क्षमता वाले डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर निर्माण और साइबर सुरक्षा जैसे घटक शामिल होते हैं।

यह निवेश संकेत देता है कि भारत केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एआई समाधान विकसित करने वाला वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय इंजीनियरों और शोधकर्ताओं द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता वाले मॉडल उद्योग जगत के लिए आश्चर्य का विषय बने हैं।

समिट में 5 लाख से अधिक आगंतुकों ने भाग लिया। विश्व के लगभग सभी प्रमुख एआई प्रतिष्ठानों, उद्योग दिग्गजों और स्टार्टअप्स की भागीदारी ने इसे वैश्विक मंच का रूप दिया। प्रदर्शनी में नई तकनीकों, नवाचारों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का प्रदर्शन हुआ। मंत्रिस्तरीय संवाद, लीडर्स प्लेनरी और उद्घाटन सत्रों में चर्चाओं की गुणवत्ता को असाधारण बताया गया।

ढाई लाख विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ एक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना, जो यह दर्शाता है कि भारत एआई को युवा शक्ति से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह भागीदारी भविष्य की कौशल संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

एआई स्टैक और सॉवरेन मॉडल- रणनीतिक आत्मनिर्भरता

भारत ने एआई स्टैक की पांच परतों के निर्माण की नीति अपनाई है, जिसमें डेटा, प्लेटफॉर्म, मॉडल, एप्लिकेशन और गवर्नेंस शामिल हैं। सॉवरेन बुके मॉडल की अवधारणा का उद्देश्य देश के लिए स्वदेशी एआई क्षमताओं का विकास करना है, जिससे रणनीतिक निर्भरता कम हो सके।

एआई सुरक्षा के लिए 12 संस्थानों का नेटवर्क तैयार किया गया है, जो मानकों, शोध और परीक्षण पर कार्य कर रहा है। सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को सुदृढ़ करने के लिए पैक्स सिलिका समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल चिप निर्माण और संपूर्ण सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एआई का व्यावहारिक उपयोग- भारत की बढ़त

अमेरिकी कंपनी ओपनएआई के अनुसार तकनीकी कार्यों के लिए चैटजीपीटी के उपयोग में भारत वैश्विक औसत से काफी आगे है। भारत में डेटा विश्लेषण का उपयोग वैश्विक औसत से लगभग चार गुना अधिक है, जबकि कोडिंग के लिए कोडेक्स का उपयोग करीब तीन गुना ज्यादा है। भारतीय उपयोगकर्ता कोडिंग से जुड़े प्रश्न वैश्विक औसत की तुलना में तीन गुना अधिक पूछते हैं और शिक्षा से संबंधित प्रश्न लगभग दोगुने हैं।

साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 10 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जिससे भारत अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा बाजार बन गया है। कार्य से संबंधित उपयोग 35 प्रतिशत तक है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि एआई को कार्यालयों में ड्राफ्टिंग, एडिटिंग, तकनीकी सहायता और डिबगिंग के लिए प्रभावी उपकरण के रूप में अपनाया जा रहा है।

युवा शक्ति और जनसांख्यिकीय लाभ

18 से 24 वर्ष आयु वर्ग कुल संदेशों का लगभग आधा हिस्सा भेजता है, जबकि 18 से 34 वर्ष वर्ग 80 प्रतिशत उपभोक्ता संदेशों के लिए जिम्मेदार है। यह जनसांख्यिकीय प्रवृत्ति बताती है कि भारत की युवा आबादी तकनीकी परिवर्तन को तेजी से अपना रही है। भौगोलिक दृष्टि से तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे तकनीकी केंद्र कोडिंग क्षमताओं के उपयोग में अग्रणी हैं। यह क्षेत्रीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूती को दर्शाता है। कनाडा, स्विट्जरलैंड, ब्राजील और अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने भारत की पहल की सराहना की। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के नेतृत्व में आए बड़े प्रतिनिधिमंडल ने एआई, रक्षा, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में साझेदारी को ऐतिहासिक बताया। कनाडा के मंत्री इवान सोलोमन ने इसे सभी देशों के लिए खुला मंच बताया। यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि तकनीकी क्रांति में विकासशील देशों की भागीदारी सुनिश्चित करना वैश्विक असमानताओं को कम करने का माध्यम बन सकता है। डब्ल्यूएचओ की पूर्व डिप्टी डायरेक्टर जनरल सौम्या स्वामीनाथन ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इमेज रिकग्निशन और पैटर्न एनालिसिस के माध्यम से एक्स-रे और पैथोलॉजी स्लाइड पढ़ने जैसे कार्य विशेषज्ञों की कमी वाले क्षेत्रों में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने एआई उत्पादों के लिए क्लिनिकल ट्रायल, नियामक ढांचा और सुरक्षा मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रतिभा का सम्मान या संबंधों का विस्तार?

— डॉ. सत्यवान सौरभ

देशभर में आईएएस और आईपीएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों के सम्मान समारोहों की परंपरा पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, सामाजिक संस्थाएँ, शैक्षणिक संगठन, राजनीतिक समूह और विभिन्न मंच इन सफल युवाओं को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं। भव्य पंडाल, मंच पर सजी कुर्सियाँ, मालाओं और शॉल से सुसज्जित अतिथि, और हर क्षण को कैद करते कैमरे—यह सब मिलकर एक उत्सव जैसा माहौल बनाते हैं। पहली दृष्टि में यह परंपरा अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक प्रतीत होती है। आखिरकार, ये वही युवा हैं जिन्होंने वर्षों की कठिन साधना, आत्मसंयम और निरंतर परिश्रम के बल पर देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है।

ऐसे समारोहों का मूल उद्देश्य समाज में प्रेरणा का संचार करना होना चाहिए—विशेषकर उन युवाओं के बीच, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्षरत हैं। जब कोई छात्र किसी सफल अभ्यर्थी को मंच पर सम्मानित होते देखता है, तो उसके भीतर भी एक उम्मीद जन्म लेती है कि वह भी एक दिन इस मुकाम तक पहुँच सकता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो ये कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा भरने का माध्यम बन सकते हैं।

किन्तु, इस उजले पक्ष के समानांतर एक ऐसा पहलू भी उभरकर सामने आ रहा है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। धीरे-धीरे इन समारोहों का स्वरूप बदलता हुआ प्रतीत हो रहा है। कई स्थानों पर यह सम्मान समारोह केवल प्रतिभा का उत्सव न रहकर संबंधों का प्रदर्शन और सामाजिक-राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन बनते जा रहे हैं। मंच पर जितनी चर्चा चयनित अभ्यर्थियों की होनी चाहिए, उससे कहीं अधिक चर्चा आयोजकों, मुख्य अतिथियों और उनके प्रभाव क्षेत्र की होने लगती है।

यह प्रवृत्ति न केवल इन आयोजनों के मूल उद्देश्य को कमजोर करती है, बल्कि समाज में एक गलत संदेश भी प्रसारित करती है—कि सफलता केवल परिश्रम और योग्यता का परिणाम नहीं, बल्कि संबंधों और पहुँच का भी खेल है। यह धारणा उन लाखों युवाओं के मनोबल को प्रभावित कर सकती है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या हम केवल उन लोगों का सम्मान कर रहे हैं जो सफलता की अंतिम सीढ़ी तक पहुँच चुके हैं, या उन लोगों की भी परवाह कर रहे हैं जो उस सीढ़ी पर चढ़ने की कोशिश में संघर्ष कर रहे हैं?

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज भी लाखों ऐसे विद्यार्थी हैं, जो प्रतिभा से भरपूर हैं, परंतु संसाधनों की कमी के कारण अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाते। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों में रहने वाले छात्र अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। उनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साधन नहीं होते, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उचित मार्गदर्शन का अभाव होता है, और आर्थिक सीमाएँ उन्हें अपने सपनों से समझौता करने के लिए मजबूर कर देती हैं।

ऐसे छात्र न तो किसी सम्मान समारोह का हिस्सा बन पाते हैं, और न ही उनके संघर्ष की कहानी कहीं सुनाई देती है। वे चुपचाप अपनी परिस्थितियों से जूझते रहते हैं—कभी खेतों में काम करते हुए, कभी छोटे-मोटे रोजगार के साथ पढ़ाई करते हुए, तो कभी बिना किसी कोचिंग या मार्गदर्शन के स्वयं ही रास्ता खोजते हुए। उनके भीतर भी वही जज़्बा, वही क्षमता और वही सपने होते हैं, जो किसी चयनित अभ्यर्थी के भीतर होते हैं—फर्क केवल इतना है कि उन्हें अवसर और संसाधन समान रूप से उपलब्ध नहीं हो पाते।

इस संदर्भ में यह आवश्यक हो जाता है कि हम सम्मान की परिभाषा को पुनः परिभाषित करें। क्या सम्मान केवल सफलता का उत्सव है, या वह संघर्ष की पहचान भी है? यदि सम्मान केवल उपलब्धि तक सीमित रह जाता है, तो वह अधूरा है। वास्तविक सम्मान वह है, जो उस यात्रा को भी स्वीकार करे, जो सफलता तक पहुँचने से पहले तय की जाती है—और उन कदमों को भी सराहे, जो अभी उस यात्रा पर हैं।

यदि इन सम्मान समारोहों को वास्तव में सार्थक बनाना है, तो उन्हें केवल औपचारिक आयोजन से आगे बढ़ाकर सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाना होगा। इसके लिए कुछ ठोस पहलें आवश्यक हैं। सबसे पहले, चयनित अभ्यर्थियों को केवल सम्मानित करने तक सीमित न रखकर उन्हें मार्गदर्शक की भूमिका में स्थापित किया जाना चाहिए। यदि हर चयनित अभ्यर्थी कुछ छात्रों का मार्गदर्शन करने का संकल्प ले, तो यह एक बड़ी सामाजिक शक्ति बन सकती है। उनके अनुभव, उनकी रणनीतियाँ और उनका दृष्टिकोण उन छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकते हैं, जो अभी इस यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं।

दूसरा, ऐसे आयोजनों के साथ मेंटरशिप प्रोग्राम, निःशुल्क कोचिंग, पुस्तक बैंक और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं को जोड़ा जाना चाहिए। केवल मंच पर सम्मान देना पर्याप्त नहीं है; आवश्यक यह है कि उस सम्मान को समाज के लिए उपयोगी परिणामों में बदला जाए। यदि एक सम्मान समारोह से दस जरूरतमंद छात्रों को सही दिशा और संसाधन मिल जाएँ, तो उसकी वास्तविक सार्थकता सिद्ध हो सकती है।

तीसरा, आयोजनों में केवल सफल अभ्यर्थियों को ही नहीं, बल्कि संघर्षरत छात्रों को भी स्थान दिया जाना चाहिए। ऐसे छात्रों को मंच पर बुलाकर उनके प्रयासों की सराहना करना, उनकी कहानियाँ साझा करना और उन्हें प्रोत्साहित करना समाज में एक सकारात्मक संदेश देगा—कि प्रयास भी सम्मान के योग्य है, भले ही परिणाम अभी न मिला हो।

चौथा, इन आयोजनों को दिखावे और भव्यता से मुक्त कर सादगी और सार्थकता की ओर ले जाना होगा। अत्यधिक खर्च, अनावश्यक तामझाम और औपचारिक भाषणों के स्थान पर सार्थक संवाद, अनुभवों का आदान-प्रदान और वास्तविक समस्याओं पर चर्चा अधिक प्रभावी हो सकती है।

इसके साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों—शिक्षकों, अभिभावकों, सामाजिक संगठनों और प्रशासन—को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। केवल सरकार या किसी एक संस्था के भरोसे परिवर्तन संभव नहीं है। यह एक सामूहिक प्रयास होना चाहिए, जिसमें हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे। मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यदि मीडिया केवल भव्य आयोजनों और बड़ी हस्तियों को ही प्रमुखता देता रहेगा, तो संघर्षरत प्रतिभाओं की कहानियाँ सामने नहीं आ पाएँगी। आवश्यकता इस बात की है कि उन अनसुने चेहरों को भी मंच दिया जाए, जो विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते।

अंततः, यह समझना आवश्यक है कि समाज की वास्तविक शक्ति केवल उसकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसकी संवेदनशीलता में निहित होती है। एक ऐसा समाज, जो केवल सफल लोगों का जश्न मनाता है, वह अधूरा है। पूर्ण समाज वह है, जो अपने संघर्षरत सदस्यों को भी पहचानता है, उनका हाथ थामता है और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देता है।

सम्मान का अर्थ केवल तालियों की गूंज नहीं होना चाहिए; वह एक जिम्मेदारी का संकेत भी होना चाहिए—जिम्मेदारी उस समाज के प्रति, जिसने हमें आगे बढ़ने का अवसर दिया। यदि सम्मान समारोह इस जिम्मेदारी को समझने और निभाने का माध्यम बन जाएँ, तो वे वास्तव में परिवर्तनकारी हो सकते हैं। अन्यथा, वे केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाएँगे—जहाँ मंच तो सजेगा, तालियाँ भी बजेंगी, लेकिन असली बदलाव कहीं पीछे छूट जाएगा। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि हम स्वयं से यह प्रश्न पूछें—क्या हम केवल सफलता का उत्सव मना रहे हैं, या एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहाँ हर प्रतिभा को अवसर मिल सके?

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गुवाहाटी में अस्मिता स्विमिंग लीग का आयोजन

एजेंसी

गुवाहाटी। महिलाओं में तैराकी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया और खेलो इंडिया के तत्वावधान में अस्मिता स्विमिंग लीग 2025 (ईस्ट ज़ोन) का आयोजन 21 और 22 मार्च को गुवाहाटी में किया जाएगा। प्रतियोगिता डॉ. जाकिर हुसैन एक्वेटिक कॉम्प्लेक्स, सरुसजाई में आयोजित होगी, जिसमें पूर्वोत्तर के आठ राज्यों की महिला तैराकों के भाग लेने की उम्मीद है। प्रतियोगिता के विभिन्न इवेंट सुबह 9 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 6 बजे तक आयोजित होंगे। आयोजकों के अनुसार, यह लीग महिला तैराकों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी और उन्हें भविष्य की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में सहायक होगी।

न्यूजीलैंड महिला टीम ने तीसरे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से हराया

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)। न्यूजीलैंड महिला टीम ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है और अब वह सीरीज जीतने से सिर्फ एक कदम दूर है। ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में सात विकेट पर 149 रन बनाए। टीम की कप्तान लौरा वोल्वाड्ट ने 39 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 37 रन की पारी खेली। वहीं एनेरी डर्कसेन ने 18 गेंदों में 27 रन और क्लो ट्रायोन ने 12 गेंदों में 15 रन बनाए। आखिरी ओवरों में कायला रेनेके ने 20 गेंदों में नाबाद 34 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में सोफी डिवाइन और सूजी बेट्स ने दो-दो विकेट हासिल किए। जेस केर और रोजमेरी मैयर को एक-एक सफलता मिली। 150 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 18.4 ओवरों में चार विकेट पर 152 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया। शुरुआत में बल्लेबाज इसाबेला गेज ने 15 गेंदों में 17 रन और कप्तान अमेलिया केर ने 28 गेंदों में 30 रन का बनाए। इसके बाद सोफी डिवाइन ने शानदार पारी खेलते हुए 38 गेंदों में नाबाद 55 रन बनाए, जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल रहा। मैडी ग्रीन ने भी 25 गेंदों में नाबाद 34 रन की उपयोगी पारी खेली।

सनराइजर्स हैदराबाद को एक और झटका, ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत से पहले चोटिल खिलाड़ियों की लिस्ट बढ़ रही है। इसी कड़ी मेंसनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल के 19वें सीजन से पहले एक और बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के युवा ऑलराउंडर खिलाड़ी जैक एडवर्ड्स पैर में चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार 25 वर्षीय एडवर्ड्स को आईपीएल नीलामी के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने तीन करोड़ रुपये में खरीदा था। वह 2025 की नीलामी में साइन किए जाने वाले एकमात्र अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी थे। इस सीजन में एडवर्ड्स अपना आईपीएल डेब्यू करते, लेकिन अब इसके लिए उन्हें इंतजार करना होगा। एडवर्ड्स ने इस साल जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। इस ऑलराउंडर ने अब तक सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है, जिसमें उन्होंने पांच रन बनाए हैं। एडवर्ड्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में 63 मैच खेले हैं, जिसमें 696 रन बनाए हैं और 38 विकेट लिए हैं।

पीसीबी की दखलअंदाजी ने कोच पद से इस्तीफे के लिए किया मजबूरः गैरी कर्स्टन

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने लगातार बदलते कप्तानों और कोचों की वजह से चर्चा में रहती है। गैरी कर्स्टन को भी पीसीबी ने बड़े शोर गुल के साथ पाकिस्तान टीम का हेड कोच बनाया था, लेकिन उनका कार्यकाल भी निश्चित समय तक नहीं चल सका। कर्स्टन ने इसकी वजह बताई है। पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 2011 में वनडे विश्व कप चैंपियन बनाने में बतौर कोच अहम रोल निभाने वाले दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी गैरी कर्स्टन को टी20 विश्व कप 2024 से पहले दो साल के अनुबंध पर व्हाइट बॉल क्रिकेट का हेड कोच बनाया था। कर्स्टन ने मुश्किल से 6 माह के बाद अपना पद छोड़ दिया था। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अब पाकिस्तान टीम के हेड कोच का पद छोड़ने का कारण बताया है। गैरी कर्स्टन ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के दखलअंदाजी की वजह से उन्होंने टीम के हेड कोच का पद छोड़ दिया था।

कर्स्टन ने कहा है कि टीम के मामलों में बाहरी दबाव का स्तर इतना ऊंचा था कि खिलाड़ियों के साथ एक स्थिर माहौल बनाना बेहद मुश्किल हो गया। दखलअंदाजी का स्तर बहुत ज्यादा था जिसने मुझे परेशान किया। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसे पहले कभी उस स्तर पर ऐसा देखा है।

उन्होंने कहा कि जब नतीजे टीम के हिसाब से नहीं होते, तो कोच अक्सर आसान निशाने पर होता है। ऐसी परिस्थितियों में टीम के प्रदर्शन के लिए कोच को ही जिम्मेदार ठहराना आसान हो जाता है।

भारतीय महिला टीम दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे और एक टेस्ट मैच खेलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम इस साल दिसंबर में मौजूदा विश्व कप चैंपियन भारतीय टीम की मेजबानी करेगी। इसके बाद अफ्रीकी महिला टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार भारतीय महिला टीम दिसंबर में आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 चक्र के तहत तीन वनडे मैच खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। इस दौरे पर भारतीय टीम 20 से 23 दिसंबर तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट मैच भी खेलेगी। भारत के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद दक्षिण अफ्रीका महिला टीम मार्च-अप्रैल 2027 में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की चुनौती के लिए तैयार होगी। दोनों टीमें पहले तीन टी-20 मैचों की सीरीज से शुरुआत करेंगी।

इसके बाद तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। आखिर में एक टेस्ट मैच भी शामिल है, जो 8 से 11 अप्रैल तक खेला जाएगा।क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा कि हमें दुनिया की दो अग्रणी टीमों भारत और ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करते हुए खुशी हो रही है। यह प्रोटियाज महिला टीम के लिए एक शानदार और रोमांचक घरेलू सीजन होने का वादा करता है। दक्षिण अफ्रीका महिला टीम वर्तमान में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में व्यस्त है, जो जून में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की तैयारियों का हिस्सा है।

कार्यक्रम-

भारत के खिलाफ सीरीज

पहला वनडे - 9 दिसंबर, पोटचेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका)दूसरा वनडे - 12 दिसंबर, ब्लोमफोंटेन (दक्षिण अफ्रीका)तीसरा वनडे - 15 दिसंबर, केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका)एक टेस्ट मैच - 20 से 23 दिसंबर, गकेबेरहा (दक्षिण अफ्रीका)

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज

पहला टी20 मैच - 18 मार्च 2027, किम्बरली (दक्षिण अफ्रीका)दूसरा टी20 मैच - 21 मार्च 2027, बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका)तीसरा टी20 मैच - 23 मार्च 2027, कुगोम्पो सिटी (दक्षिण अफ्रीका)पहला वनडे - 27 मार्च 2027, गकेबरहा (दक्षिण अफ्रीका)दूसरा वनडे - 31 मार्च 2027, पार्ल (दक्षिण अफ्रीका)तीसरा वनडे - 3 अप्रैल 2027, डरबन (दक्षिण अफ्रीका)एक टेस्ट मैच - 8 से 11 अप्रैल 2027, पोटचेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका)

दिल्ली मेरा दूसरा घर, खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं : अक्षर पटेल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा है कि वह दिल्ली आकर बहुत ही उत्साहित हैं और यह शहर उनका दूसरा घर बना गया है। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो में अक्षर पटेल ने कहा कि दिल्ली में आके मजा आता है। अपना सा अहसास होता है। पिछले आठ साल से यहां आ रहा हूं तो यह मेरा दूसरा घर ही बन गया है। स्टार ऑलराउंडर ने कहा कि दिल्ली में दोबारा खेलने के लिए बहुत ही उत्साहित हूं। पिछले साल जितना प्यार मिला और जब आप बहुत बड़ी उपलब्धि (टी20 विश्वकप ट्रॉफी) के बाद पहले घर (अहमदाबाद, गुजरात) से इतना प्यार लेकर दूसरे घर (दिल्ली) आ रहे हैं तो मुझे लगता है और प्यार मिलेगा। उसकी वजह से बहुत ही उत्साहित महसूस कर रहा हूं कि पहला मैच दिल्ली में खेलेंगे तो कैसा माहौल रहेगा। तो हां नर्वस हूं, लेकिन बहुत उत्साहित भी हूं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स अपने अभियान का आगाज एक अप्रैल को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ करेगी। दिल्ली अब तक कोई भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है। ऐसे में उसे अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी का इंतजार है। अक्षर पटेल 2019 से दिल्ली कैपिटल्स के साथ हैं। उन्होंने सात सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 94 मैच खेले हैं। पिछले साल उन्होंने 12 मैचों में 263 रन बनाए थे और पांच विकेट हासिल किए थे।

विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप कुजावी-पोमोर्जे 2026: पहले दिन अमेरिका का दबदबा

एजेंसी

कुजावी-पोमोर्जे। विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप कुजावी-पोमोर्जे 2026 के पहले दिन चार रोमांचक फाइनल मुकाबलों में खिताबों का फैसला हुआ। उद्घाटन दिवस पर खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रतियोगिता को शानदार शुरुआत दी।

60 मीटर दौड़ में जॉर्डन एंथनी का स्वर्ण

अमेरिका के 21 वर्षीय धावक जॉर्डन एंथनी ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 60 मीटर दौड़ 6.41 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अनुभवी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

गोला फेंक में चेस जैक्सन बनीं विजेता

अमेरिका की चेस जैक्सन ने गोला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश को दिन का दूसरा स्वर्ण दिलाया। बाहरी प्रतियोगिताओं की दो बार की विश्व विजेता जैक्सन का यह पहला इंडोर वैश्विक खिताब है।

ऊंची कूद में यारोस्लावा महुचिख का दबदबा कायम

ओलंपिक चैंपियन यारोस्लावा

महुचिख ने 2.01 मीटर की छलांग लगाकर ऊंची कूद का खिताब अपने नाम किया। इस स्पर्धा में तीन खिलाड़ियों ने संयुक्त रूप से रजत पदक जीता।

तिहरी कूद में एंडी डियाज ने खिताब बरकरार रखा

तिहरी कूद में एंडी डियाज ने 17.47 मीटर की शानदार छलांग लगाकर अपना खिताब बचाया। वह 2004 के बाद लगातार दो बार यह खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। पहले दिन के मुकाबलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि इस प्रतियोगिता में आगे भी कड़े और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन भारत जून में आयरलैंड से खेलेगा सीरीज, इंग्लैंड दौरे से पहले अहम तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली । टी20 वर्ल्ड कप 2026 के चैंपियन भारतीय क्रिकेट टीम जून में आयरलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ एक अहम टी20 सीरीज खेलेगी। क्रिकेट आयरलैंड के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर ग्रेम वेस्ट ने इस सीरीज की पुष्टि की है। यह सीरीज आईसीसी के फ्यूचर टूर प्रोग्राम (एफटीपी) का हिस्सा नहीं है, लेकिन इसे इंग्लैंड दौरे से पहले भारत के लिए एक महत्वपूर्ण तैयारी माना जा रहा है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद भारत का इंग्लैंड दौरा होगा, जहां टीम पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। ये मुकाबले चेस्टर-ले-स्ट्रीट, मैनचेस्टर, नॉटिंघम, ब्रिस्टल और साउथैम्प्टन में आयोजित होंगे। इसके अलावा तीन वनडे मैच भी खेले जाएंगे। ऐसे में आयरलैंड सीरीज भारतीय टीम के लिए संयोजन और फॉर्म को अंतिम रूप देने का अच्छा मौका होगी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने हाल ही में घरेलू जमीन पर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीता था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 96 रन से हराकर रिकॉर्ड तीसरी बार यह खिताब अपने नाम किया। इस जीत के बाद टीम का मनोबल काफी ऊंचा है।

इस बीच आयरलैंड क्रिकेट में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अनुभवी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग ने टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है, हालांकि वह वनडे टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। वेस्ट ने उनकी नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि अब यह सही समय है कि नया कप्तान अपनी रणनीति और शैली विकसित करे, जिसकी शुरुआत भारत के खिलाफ सीरीज से होगी। अब आयरलैंड की टीम तीनों फॉर्मेट में अलग-अलग कप्तानों के नेतृत्व में खेलेगी–टेस्ट में एंड्रयू

बालबर्नी, वनडे में स्टर्लिंग और टी20 कप्तान की घोषणा जल्द की जाएगी। भारत ने आखिरी बार अगस्त 2023 में आयरलैंड का दौरा किया था, जहां जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में टीम ने तीन मैचों की टी20 सीरीज 2-0 से जीती थी। तीसरा मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था।

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए थाईलैंड पहुंची भारतीय टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए शुक्रवार सुबह थाईलैंड पहुंची। 20 साल बाद एशियन कप के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय युवा टीम को यहां बैंकॉक में स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल ढलने के लिए 13 दिन का समय मिलेगा।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अनुसार भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत का दो अप्रैल को जापान के खिलाफ करेगी। इसके बाद पांच अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और आठ अप्रैल को चीनी ताइपे से सामना होगा। समूह की शीर्ष दो टीमें और तीनों समूहों में से सर्वश्रेष्ठ दो तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। इसके अलावा, क्वार्टर फाइनल के चारों विजेता फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगे। मुख्य कोच जोआकिम

एलेक्जेंडर्सन के नेतृत्व में भारतीय टीम ने अंतरराष्ट्रीय महिला लीग के पहले चरण के समापन के बाद जनवरी में बेंगलुरु में अपना प्रशिक्षण शिविर शुरू किया था। बाद में, उन्होंने स्वीडन में एक महीने का शिविर लगाया, जहां उन्होंने स्वीडिश क्लबों की वरिष्ठ टीमों के खिलाफ पांच मैत्रीपूर्ण मैच खेले। स्कैंडिनेविया से लौटने के बाद, युवा टीम ने कोलकाता में अपना प्रशिक्षण जारी रखा, जहां से वे थाईलैंड की राजधानी के लिए रवाना हुईं। कोच एलेक्जेंडर्सन टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ समय पहले ही 23 सदस्यीय अंतिम टीम की घोषणा करेंगे।

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए 24 सदस्यीय टीम

गोलकीपर : मोनालिसा देवी मोइरांगथेम, नंदिनी, रिबांसी जामू।

डिफेंडर : अलका इंदवार, सिंडी रेमरूअटपुई कोलनी, निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, रुचि यादव, साहेना टीएच, शुभांगी सिंह, थोइबिसाना चानू तोइजाम।

मिडफील्डर : अंजू चानू कायेनपाइबम, अरीना देवी नामिराकपम, भूमिका देवी खुमुकचम, मोनिशा सिंघा, नेहा, पूजा, श्रुति कुमारी।

फॉरवर्ड : बबीता कुमारी, दीपिका पाल, ल्हिंगदेइकिम, शिलजी शाजी, सिबानी देवी नोंगमेइकापम, सुलंजना राउल।

भारतीय टीम जून में करेगी आयरलैंड का दौरा, खेलेगी 2 टी 20 मैचों की सीरीज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घोषणा की कि ट्वेंटी-20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम जून में आयरलैंड दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज खेली जाएगी। यह सीरीज विश्व कप जीत के बाद भारत की पहली ट्वेंटी-20 श्रृंखला होगी। भारत ने 8 मार्च को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने

नाम किया था। भारत ने पिछले आठ वर्षों में (2018, 2022 और 2023) तीन बार आयरलैंड का दौरा किया है। वहीं, 2007 के बाद यह पहला मौका होगा जब भारतीय टीम बेलफास्ट में मुकाबला खेलेगी। दूसरी ओर, आयरलैंड के लिए यह दौरा व्यस्त 2026 कार्यक्रम का हिस्सा है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मुकाबला और अफगानिस्तान के खिलाफ पांच एकदिवसीय मुकाबले भी खेलने हैं।

भारत बनाम आयरलैंड श्रृंखला का कार्यक्रम

पहला ट्वेंटी-20 मुकाबलाः 26 जून, दोपहर 3:00 बजे (स्थानीय समय), स्टॉर्मोंट क्रिकेट मैदान, बेलफास्ट।

दूसरा ट्वेंटी-20 मुकाबलाः 28 जून, दोपहर 3:00 बजे (स्थानीय समय), स्टॉर्मोंट क्रिकेट मैदान, बेलफास्ट।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को 8 विकेट हराया, सीरीज में 2-1 से बढ़त

एजेंसी

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)। गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम लैथम की नाबाद 63 रन की अर्धशतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी-20 मुकाबले में आठ विकेट से हरा दिया। ऑकलैंड में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 136 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवरों में दो विकेट पर 137 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली है। 137 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे ने

अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 96 रनों की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने 11वें ओवर में डेवोन कॉन्वे को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। कॉन्वे ने 26 गेंदों में चार चौके और दो छक्के कीम मदद से 39 रन बनाये। टिम रॉबिन्सन 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद निक केली ने एक रन लेते हुए टीम की जीत सुनिश्चित की। टॉम लैथम ने 55 गेंदों में सात चौके और दो छक्के जड़ते हुए नाबाद 63 रनों की पारी खेली। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी बेहद खराब रही और उसके नियमित अंतराल में विकेट गिरते रहे। टीम के लिए नकोबानी मोकोएना ने सबसे ज्यादा नाबाद 26 रन की पारी खेली।

उनके अलावा जॉर्ज लिंडे ने 23, डियान फॉरेस्टर ने 17, गेराल्ड कोएत्जी ने 16, कॉनर एस्टरहुइजन और टोनी डी जोर्जी ने 15-15 रनों का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान मिचेल सैंटनर, काइल जैमीसन और बेन सियर्स ने 2-2 विकेट चटकाए। लॉकी फर्ग्यूसन, जेम्स नीशम और कोल मैककॉन्ची ने 1-1 विकेट लिया। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की सीरीज का चौथा टी-20 मैच 22 मार्च को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

अर्जेंटीना फीफा विश्व कप 2026 से पहले 31 मार्च को ज़ाम्बिया से खेलेगा फ्रेंडली मैच

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फीफा विश्व कप 2026 की तैयारियों के तहत मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने घोषणा करते हुए बताया कि टीम जाम्बिया से भिड़ेगी, जबकि पहले यह मैच ग्वाटेमाला के खिलाफ प्रस्तावित था। पहले अर्जेंटीना को इस महीने कतर में स्पेन के खिलाफ 'फाइनलिसिमा' और मेजबान टीम के खिलाफ मुकाबला खेलना था। ये दोनों मुकाबले कतर फुटबॉल उत्सव का हिस्सा थे और फाइनलिसिमा मैच लुसैल स्टेडियम में आयोजित होना था, जहां लियोनेल मेसी ने पिछला विश्व कप जीता था। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण इस टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया, जिसके बाद अर्जेंटीना को अपनी योजना में बदलाव करना पड़ा।

इसके बाद विश्व चैंपियन टीम ने तय किया कि वह अपने दोनों मैत्री मुकाबले घरेलू मैदान पर ही खेलेगी। ये मुकाबले 27 और 31 मार्च को ब्यूनस आयर्स में आयोजित होंगे। फीफा के नियमों के अनुसार, कोई भी टीम एक ही अंतरराष्ट्रीय अवधि में दो अलग-अलग महाद्वीपों में मुकाबले नहीं खेल सकती। इसी वजह से ग्वाटेमाला की जगह अब जाम्बिया को शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अनुसार, मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी के मार्गदर्शन में टीम 31 मार्च को रात 8:15 बजे ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में जाम्बिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी। साथ ही संघ ने ग्वाटेमाला फुटबॉल महासंघ का आभार व्यक्त किया, जिसने नियमों की बाधाओं के बावजूद सहयोग की इच्छा जताई।

खालसा, श्याम लाल कॉलेज और डीयू एलुमना ने पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी मैच जीते

एजेंसी

नई दिल्ली। श्याम लाल कॉलेज, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज और दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) एलुमना टीम ने पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट के चौथे दिन जीत दर्ज की है। पुरुष वर्ग में श्याम लाल कॉलेज ने जीत के

सिलसिले को जारी रखते हुए हंसराज कॉलेज को 3-1 से मात दी। टीम के लिए प्रत्युष सिंह जग्गी, हर्ष और मनमोहन ने एक-एक गोल किया। हर्ष को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। इसी तरह श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने किरोड़ी मल कॉलेज को 2-1 से हराया। खालसा कॉलेज के लिए रुशिल और विपिन ने गोल किए। किरोड़ी मल कॉलेज के लिए सहान सिंह ने गोल किया। खालसा कॉलेज के सागर को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। महिला वर्ग में दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना टीम ने भारती कॉलेज को 8-0 से रौंदा। नीलम ने हैट्रिक सहित तीन, जेहरा ने दो और मीना, मंजू और संगीता ने एक एक गोल किया। भारती कॉलेज की खुशी को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

भारत में ट्रेनिंग कर रही कजाकिस्तान टीम का हॉकी इंडिया ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने कजाकिस्तान की सीनियर पुरुष हॉकी टीम का स्वागत किया है। यह टीम अभी भारत में है और 10 से 21 मार्च तक हरियाणा के सोनीपत में भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र में एक हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा ले रही है। यह कैंप आगामी एशियन गेम्स क्वालिफायर्स 2026 की तैयारियों का एक हिस्सा है। हॉकी इंडिया के अनुसार भारत के प्रमुख हॉकी प्रशिक्षण केंद्रों में से एक में आयोजित इस शिविर में विश्व स्तरीय सिंथेटिक टर्फ, उन्नत सुविधाएं और एक बेहद प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध है, जो कजाकिस्तान को अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है।

भारत में अभ्यास के बारे में बात करते हुए कजाकिस्तान कोच ओल्गा उर्मानोवा ने कहा कि हम भारतीय खेल प्राधिकरण के उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र सोनीपत में आकर बहुत खुश हैं, जिसने हमारी टीम का बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया है। भारत में हॉकी का स्तर बहुत ऊंचा है और यही कारण है कि हमने यहां आने का फैसला किया है। हीरो एशिया कप 2025 के दौरान बिहार के राजगीर में प्रतिस्पर्धा करने के बाद यह भारत की हमारी दूसरी यात्रा है और एक बार फिर, यह अनुभव अमूल्य रहा है। उर्मानोवा ने आगे कहा कि हमने यहां स्थानीय टीमों के खिलाफ कई मैत्रीपूर्ण मैच खेले हैं और प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊंचा रहा है, जो हमारी तैयारी के इस चरण में बिल्कुल आवश्यक है। भारत को अपने प्रशिक्षण केंद्र के रूप में चुनते समय हमने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुरूप सब कुछ उच्चतम स्तर पर आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि हॉकी इंडिया के सहयोग और उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण अवसर उपलब्ध कराने के लिए हम उनके तहे दिल से आभारी हैं। 2026 एशियाई खेलों के क्वालीफायर को देखते हुए, हमें ओमान, इंडोनेशिया, थाईलैंड और हांगकांग जैसी टीमों के साथ एक प्रतिस्पर्धी समूह में रखा गया है और हम एक मजबूत प्रदर्शन करने का लक्ष्य रख रहे हैं। विश्व रैंकिंग में 55वें स्थान पर काबिज कजाकिस्तान ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। जकार्ता में आयोजित एएचएफ कप 2025 में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। राजगीर में आयोजित हीरो एशिया कप 2025 में भी उन्हें बहुमूल्य अनुभव प्राप्त हुआ, जहां उन्होंने भारत, जापान और चीन सहित शीर्ष एशियाई टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा कि हमें कजाकिस्तान की सीनियर पुरुष हॉकी टीम का भारत में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल वैश्विक स्तर पर हॉकी के विकास में योगदान देते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेल संबंधों को भी मजबूत करते हैं। भारत हमेशा से हॉकी को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है और मेहमान टीमों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करना खेल के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम कजाकिस्तान टीम को उनकी तैयारियों और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि कजाकिस्तान जैसी टीमें उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण के लिए भारत को अपना पसंदीदा स्थान चुन रही हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार सात अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। लगातार दूसरे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 मार्च को समाप्त हफ्ते में 7.05 अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 13 मार्च को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.05 अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर रहा है। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 13 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.68 अरब डॉलर घटकर 555.57 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि, इस अवधि में स्वर्ण भंडार का मूल्य 66.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 130.68 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के मुताबिक 13 मार्च को समाप्त हफ्ते के दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.69 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार इस दौरान 1.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.81 अरब डॉलर रह गया।

रिकॉर्ड निचले स्तर तक लुढ़का रुपया, डॉलर के मुकाबले एक दिन में 1.08 रुपये तक आई कमजोरी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी जंग भारतीय मुद्रा रुपये के लिए बड़ी परेशानी की वजह बनी हुई है। भारतीय मुद्रा आज डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिर गई। आज के कारोबार में भारतीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर की तुलना में 1.13 की कमजोरी के साथ 93.76 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक आ गई। इसके बाद रुपये की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ, जिसके कारण भारतीय मुद्रा पांच पैसे की रिकवरी कर 1.08 रुपये की कमजोरी के साथ 93.71 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय मुद्रा 92.63 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। भारतीय मुद्रा रुपये में जनवरी 2025 के बाद आज पहली बार इतनी जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 25 पैसे की कमजोरी के साथ 92.88 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये की स्थिति लगातार गिरती चली गई। डॉलर की मांग में आई तेजी के कारण थोड़ी ही देर में भारतीय मुद्रा फिसल कर 93.28 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक आ गई। हालांकि, इस गिरावट के बाद रुपये की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ, जिससे भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में 93.05 रुपये के स्तर तक आ गई।

डीजीसीए ने सभी भारतीय एयरलाइन कंपनियों को पश्चिम एशियाई देशों के हवाई क्षेत्र से बचने की सलाह दी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एडवाइजरी जारी करके भारतीय एयरलाइन कंपनियों को उच्च-जोखिम वाले देशों के हवाई क्षेत्र से बचने की सलाह दी है। भारतीय एयरलाइंस से इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच पश्चिम एशिया के कई देशों के ऊपर से उड़ान भरने से बचने को कहा गया है। ये एडवाइज़री तुरंत प्रभावी हो गई है, जो 28 मार्च तक लागू रहेगी। विमानन नियामक डीजीसीए ने ये कदम अमेरिका और इज़राइल के ईरान पर किए जा रहे हमलों के बाद उठाया है, जिसके जवाब में तेहरान ने भी जवाबी कार्रवाई की है। इन घटनाओं ने नागरिक उड्डयन के लिए एक अत्यधिक जोखिम भरा माहौल पैदा कर दिया है। डीजीसीए ने जारी दिशा-निर्देश में एयरलाइंस को बहरीन, ईरान, इराक, इज़राइल, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हवाई क्षेत्र से बचने का निर्देश दिया है। हालांकि, नियामक ने कहा कि ओमान और सऊदी अरब के ऊपर से उड़ानें भरने की अनुमति दी जा सकती है, लेकिन केवल कुछ खास शर्तों के तहत।

देश में महंगा हुआ प्रीमियम पेट्रोल, इंडस्ट्रियल डीजल की भी बढ़ी कीमत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी जंग का असर अब भारत में पेट्रोलियम उत्पातों की कीमत पर साफ साफ नजर आने लगा है। इस जंग की शुरुआत होते ही पहले एलपीजी सिलेंडर के भाव में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। अब ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल और इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत में भी बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि नॉर्मल पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आज पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में दो रुपये प्रति लीटर से अधिक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। इस ऐलान के साथ ही तत्काल स्पीड और पावर नाम से बिकने वाला प्रीमियम पेट्रोल अब 2.09 रुपये लीटर तक महंगा हो गया है। पहले प्रीमियम पेट्रोल की कीमत 111.68 रुपये प्रति लीटर थी, जो अब बढ़ कर 113.77 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस को 19 प्रतिशत बढ़ाया, अब प्रति ऑर्डर करीब 15 रुपए का करना होगा भुगतान

एजेंसी

नई दिल्ली । फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस में 19.2 प्रतिशत या 2.40 रुपए प्रति ऑर्डर का इजाफा कर दिया है। यह जानकारी ऐप के लेटेस्ट बिलिंग डेटा से प्राप्त हुई। बढ़ोतरी के बाद नई प्लेटफॉर्म फीस 14.90 रुपए प्रति ऑर्डर हो गई है, जो कि पहले 12.5 रुपए थी। प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी ऐसे समय पर हुई है, जब हाल ही में एलपीजी की कीमतों में इजाफा हुआ है, जिससे रेस्तरां की लागत में बढ़ोतरी देखी गई है।

दिग्गज ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने आखिरी बार सितंबर 2025 में प्लेटफॉर्म शुल्क में बदलाव किया था। इससे पहले, फरवरी 2025 में, जोमैटो ने त्योहारी सीजन के दौरान प्लेटफॉर्म शुल्क को 6 रुपए प्रति ऑर्डर से बढ़ाकर 10 रुपए प्रति ऑर्डर कर दिया था। वहीं, प्रतिद्वंद्वी कंपनी स्विगी वर्तमान में कर सहित प्रति ऑर्डर

14.99 रुपए का प्लेटफॉर्म शुल्क ले रही है। जोमैटो ने अगस्त 2023 में प्रति ऑर्डर 2 रुपए का प्लेटफॉर्म शुल्क लागू किया था, जिसे बाद में प्रमुख बाजारों में धीरे-धीरे बढ़ाया गया।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म बढ़ती परिचालन लागतों के बीच यूनिट इकोनॉमिक्स और मार्जिन में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

जोमैटो की पेरेंट कंपनी इटरनल क्र शेयर 1.55 प्रतिशत या 3.55 रुपए की तेजी के साथ 232.29 रुपए पर बंद हुए। दिन के दौरान शेयर ने 236.70 रुपए का उच्चतम स्तर और 230.10 रुपए का न्यूनतम स्तर छुआ।

दिसंबर तिमाही के नतीजों में कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 72.88 प्रतिशत बढ़कर 102 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 59 करोड़ रुपए था। हालांकि, इस दौरान कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू करीब तीन गुना बढ़कर 16,315 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 5,405 करोड़ रुपए था। मार्च 2025 में जोमैटो से इटरनल के रूप में खुद को रीब्रांड किया था।

स्पेशियलिटी मेडिसिन्स का आईपीओ लॉन्च , 24 मार्च तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। फार्मास्यूटिकल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी स्पेशियलिटी मेडिसिन्स लिमिटेड का 29.14 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 25 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 मार्च को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर दो बजे तक कंपनी के आईपीओ को 46 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 117 रुपये से लेकर 124 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,48,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 23.50 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम दो प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 49 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी न्यूनतम 49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए यूनीस्टोन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं ऐक्यम कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

पीयूष गोयल ने ग्रीस के मंत्री के साथ की बैठक

व्यापार और पर्यटन संबंधों को और मजबूत करने पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ग्रीस के उप विदेश मंत्री हैरी थियोहारिस ने व्यापार, निवेश, पर्यटन और समुद्री कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने यह बैठक वर्चुअल माध्यम से की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत ग्रीस के साथ अपने बढ़ते रिश्तों को काफी महत्व देता है और आगे भी इस साझेदारी को मजबूत करना चाहता है। इससे पहले फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकीस की मुलाकात राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुई थी। इस बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-ग्रीस रणनीतिक साझेदारी के कई पहलुओं की समीक्षा की, जिसमें व्यापार, रक्षा, सुरक्षा, पर्यटन, संस्कृति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई तकनीकों में सहयोग शामिल है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों ने खास तौर पर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) के जरिए कनेक्टिविटी बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही भारत-यूरोप मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द लागू करने की उम्मीद जताई, जिससे दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को फायदा होगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आईएमईसी कॉरिडोर दो हिस्सों में बनेगा। एक, पूर्वी कॉरिडोर, जो भारत को खाड़ी देशों से जोड़ेगा, और दूसरा, उत्तरी कॉरिडोर, जो

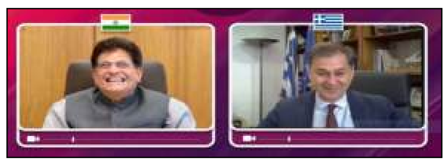

खाड़ी क्षेत्र को यूरोप से जोड़ेगा।

इस कॉरिडोर का उद्देश्य कनेक्टिविटी बढ़ाना, लागत कम करना, सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाना और व्यापार को आसान बनाना है। इसके जरिए एशिया, यूरोप और मिडिल ईस्ट के बीच बेहतर आर्थिक जुड़ाव होगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर ने फरवरी में दर्ज की 2.3 प्रतिशत की ग्रोथ, सीमेंट और स्टील की बढ़ी मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के आठ प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर (कोर सेक्टर) का संयुक्त इंडेक्स फरवरी महीने में सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत बढ़ा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के दौरान सीमेंट, स्टील, उर्वरक, कोयला और बिजली उत्पादन में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। स्टील उत्पादन में पिछले साल की तुलना में 7.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि सीमेंट सेक्टर में 9.3 प्रतिशत की मजबूत ग्रोथ देखने को मिली। इसकी वजह बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में सरकार के बढ़ते निवेश को माना जा रहा है, जिससे इन उत्पादों की मांग बढ़ी है।कोयला उत्पादन में भी 2.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि बिजली उत्पादन 0.5 प्रतिशत बढ़ा। उर्वरक उत्पादन में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका कारण रबी फसलों की बुवाई में बढ़ोतरी और कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से किसानों की आय में सुधार बताया गया है। हालांकि, कच्चे तेल (क्रूड ऑयल), प्राकृतिक

गैस और पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन में गिरावट देखी गई। कच्चे तेल के उत्पादन में कमी का कारण ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के पुराने तेल क्षेत्रों का परिपक्व होना बताया गया है। वहीं, रिफाइनरी उत्पादन बाजार में मांग और उपलब्ध स्टॉक पर निर्भर करता है।

जनवरी 2026 के लिए आठ कोर उद्योगों की अंतिम ग्रोथ दर 4.7 प्रतिशत रही थी। वहीं, अप्रैल से फरवरी 2025-26 के दौरान कुल वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 2.9 प्रतिशत रही। आठ कोर उद्योगों के इस इंडेक्स में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और बिजली शामिल हैं। इनका औद्योगिक उत्पादन सूचकांक यानी इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (आईआईपी) में करीब 40.27 प्रतिशत हिस्सा होता है और ये देश की अर्थव्यवस्था में समग्र औद्योगिक वृद्धि के अहम संकेतक माने जाते हैं।

तेलंगाना विधानसभा में 2026-27 का बजट पेश, 3.24 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान, शिक्षा-कृषि और बिजली पर फोकस

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 3,24,234 करोड़ का वार्षिक बजट पेश किया। इस बजट में 2,34,406 करोड़ रुपये राजस्व व्यय और 47,267 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय का प्रावधान किया गया है। बजट में शिक्षा, कृषि और बिजली क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है। बजट पेश करने से पहले राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बजट प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसके बाद बजट को विधानमंडल में प्रस्तुत किया गया, जिसमें सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी भी शामिल रहे। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जहां देश की जीडीपी वृद्धि दर 2024-25 में 9.8 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में 8 प्रतिशत हो गई है, वहीं तेलंगाना की जीएसडीपी वृद्धि दर 10.6 प्रतिशत से बढ़कर 10.7 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने इसे राज्य सरकार की नीतियों का सकारात्मक परिणाम बताया। मुख्य

बजटीय आवंटनों की बात करें तो, शिक्षा विभाग के लिए 26,674 करोड़ रुपये, कृषि विभाग के लिए 23,179 करोड़, बिजली क्षेत्र के लिए 21,285 करोड़, स्वास्थ्य विभाग के लिए 13,679 करोड़ और नागरिक आपूर्ति मद के तहत 7,366 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आर्थिक संकेतकों के अनुसार, राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 10.7 प्रतिशत की दर से बढ़कर 17.84 लाख करोड़ होने का अनुमान है, जबकि प्रति व्यक्ति आय 4.18 लाख (10.2 प्रतिशत वृद्धि) रहने का अनुमान जताया गया है। मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि राज्य सरकार 2036 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर चल रही है। यह बजट कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार करीब 25,612 करोड़ रुपये के कर्ज को पुनर्निर्धारित करने की योजना बना रही है, जिससे ब्याज का बोझ कम होगा और वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। वहीं गृह विभाग के लिए 11,907 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार माओवाद को केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं मानती, बल्कि इसके सामाजिक और आर्थिक कारणों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि केवल पुलिस और सशस्त्र बलों के जरिए इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। कुल मिलाकर, यह बजट शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ाकर राज्य के समग्र विकास, आर्थिक मजबूती और सामाजिक कल्याण को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन फरवरी में घटकर 2.3 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी महीने में घटकर 2.3 फीसदी रही, जो तीन महीने का निचला स्तर है। पिछले साल इसी महीने में यह 3.4 फीसदी थी। जनवरी में यह वृद्धि दर 4.7 फीसदी रही थी।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़े में बताया कि फरवरी में देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट, बिजली) का संयुक्त उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में 2.3 फीसदी बढ़ा है। मंत्रालय के मुताबिक फरवरी में सीमेंट, इस्पात, उर्वरक, कोयला और बिजली के उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई। आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि अप्रैल से फरवरी के दौरान 2.9 फीसदी रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.4 फीसदी रही थी। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के ये आंकड़े भारत की औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के प्रमुख संकेतक हैं, जो देश की कुल औद्योगिक वृद्धि दर में 40 फीसदी से अधिक का योगदान देते हैं।

नया आयकर कानून मुकदमों को कम करेगा और अनुपालन को सरल बनाएगा: सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में इनकम टैक्स वेबसाइट 2.0 और 'प्रारंभ 2026' को लॉन्च किया, जिसका मकसद टैक्स को आसान बनाना और मुकदमों को कम करना है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने 'प्रारंभ 2026' के लॉन्चिंग के अवसर पर संबोधन में कहा कि नया आयकर अधिनियम मुकदमों को काफी हद तक कम करने और अनुपालन को सरल बनाने का प्रयास करता है; उन्होंने कर अधिकारियों से आग्रह किया कि वे करदाताओं को विरोधी मानने के बजाय राष्ट्र निर्माण में भागीदार के रूप में देखें। आयकर अधिनियम, 2025 पर राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान' शुरू करते हुए वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स वेबसाइट 2.0 को भी लॉन्च किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने

आयकर अधिकारियों को कहा, 'टैक्स देने वाला आपका विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आपका साझीदार है।' उन्होंने इनकम टैक्स अधिकारियों से ज्यादा सहयोगात्मक सोच अपनाने का आग्रह किया। सीतारमण ने अपने संबोधन में कहा कि मैं एक नया दृष्टिकोण, एक नई मानसिकता चाहती हूं। मैं आयकर अधिकारियों से आग्रह करती हूं कि वे इस प्रारंभ को इस नई मानसिकता को अपनाने के अवसर के रूप में लें। वित्त मंत्री ने शायराना अंदाज में कहा कि छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी, आओ मिलकर लिखेंगे हम इनकम टैक्स की नइ कहानी। वित्त मंत्री ने कहा कि मैं आयकर विभाग को एक संदेश देना चाहती हूं। आप केवल टैक्स वसूलने वाले ही नहीं हैं, आप करदाताओं के साथ सरकार के संबंधों का चेहरा हैं। उन्होंने कहा कि चूँकि आप टैक्स देने वालों के साथ सरकार के रिश्ते का चेहरा हैं, इसलिए यह नया कानून आपको एक ज्यादा साफ और सुव्यवस्थित ढांचा देता है, ताकि इसे आसान बनाया जा सके–उन लोगों के लिए और भी आसान, जो इसे बेहतर ढंग से समझना चाहते हैं। सीतारमण ने कहा इसे सहानुभूति, निष्पक्षता और कुशलता के साथ लागू किया जाना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि हर अधिकारी इस नए कानून की भावना को पूरी तरह से अपनाएगा। टैक्स देने वाला आपका विरोधी नहीं है। टैक्स देने वाला राष्ट्र निर्माण में आपका साझीदार है। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में एआई शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधनमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का जिक्र किया जिसमें में उन्होंने एम.ए.एन.ए.वी. के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा विजन है, जिसे उन्होंने मानव-केंद्रित डिजिटल युग बनाने के लिए पेश किया।

अमेरिका ने ईरानी कच्चे तेल की खरीद-बिक्री को लेकर दी 30 दिनों की छूट

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच ट्रंप प्रशासन ने ईरान के तेल की खरीद पर लगे प्रतिबंधों में 30 दिनों की छूट दी है। यह छूट केवल समुद्र में मौजूद ईरानी तेल के टैंकरों की खरीद के लिए दी गई है, ताकि वैश्विक ऊर्जा सप्लाई बढ़े और कीमतों का दबाव कम किया जा सके। ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच जारी जंग के बाद से ही कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है। अमेरिकी ट्रेजरी मिनिस्टर स्कॉट बेसेंट ने इसकी घोषणा की। ट्रेजरी विभाग की वेबसाइट के मुताबिक यह अस्थायी छूट 20 मार्च से 19 अप्रैल के लिए दी गई है। दरअसल, ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की सप्लाई बढ़ाने और दाम को काबू में रखने के लिए ऐसा किया गया है। अमेरिका-इजराइल की ईरान के साथ चल रही जंग की वजह

से क्रूड की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई है।

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को जंग शुरू होने से पहले ये 70 डॉलर के करीब थी। स्कॉट बेसेंट ने जारी एक बयान में कहा कि दुनिया के लिए मौजूदा कच्चे तेल सप्लाई को अस्थायी रूप से खोलकर ग्लोबल मार्केट में लगभग 14 करोड़ बैरल तेल की तेजी से आएगा। इससे दुनियाभर में ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ेगी और सप्लाई पर जो अस्थायी दबाव बना है, उसे कम करने में मदद मिलेगी।

नए आयकर अधिनियम एक अप्रैल से होंगे लागू, सीबीडीटी ने अधिसूचना जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिनियम, 2025 के लिए नियमों को अधिसूचित कर दिया है। एक अप्रैल से लागू होने वाले नए 'आयकर अधिनियम, 2025' के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रभावी होंगे। आयकर नियम, 2026 उस सरल प्रत्यक्ष कर कानून को लागू करेंगे, जिसे पिछले साल संसद ने मंजूरी दी थी। नए आयकर अधिनियम नियमों में वेतनभोगियों के लिए मकान किराया भत्ते पर बढ़े हुए कर लाभ का प्रावधान है, लेकिन मकान मालिक-किरायेदार के संबंधों का खुलासा करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह नया कानून 64 साल पुराने आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा, जिसका उद्देश्य कराधान को सरल बनाना और विवादों को कम करना है। यह एक अप्रैल से प्रभावी होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि इन नियमों को आयकर नियम, 2026 कहा जा सकता है। अधिसूचना के मुताबिक इस अधिनियम ने अनावश्यक प्रावधानों और पुरानी भाषा को हटा दिया गया है। आयकर अधिनियम, 1961 की 819 धाराओं को घटाकर 536 और अध्यायों की संख्या 47 से घटाकर 23 कर दी है। नए आयकर विधेयक में शब्दों की संख्या 5.12 लाख से घटाकर 2.6 लाख कर दी गई है, और स्पष्टता बढ़ाने के लिए 1961 के कानून के बोझिल पाठ के स्थान पर पहली बार 39 नई तालिकाएं ।

उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 3.10 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिनभर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में जोरदार तेजी आ गई। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई। बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 900 अंक से अधिक और निफ्टी 275 अंक से अधिक लुढ़क गए। राहत की बात रही कि बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.44 प्रतिशत और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मीडिया, रियल्टी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 429.23 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 426.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.10 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज के कारोबार में बीएसई में 4,432 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,454 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,814 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 164 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,979 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,721 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,258 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान में और 15 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 352.14 अंक की मजबूती के साथ 74,559.38 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। छिटपुट बिकवाली के बीच लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले दो घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1,079.15 अंक उछल कर 75,286.39 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। मुनाफा वसूली का दबाव बनने के बावजूद खरीदार भी बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाते रहे, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। बिकवाली के दबाव की वजह से शाम तीन बजे के करीब यह सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 901.35 अंक फिसल कर 177.80 अंक की सामान्य तेजी के साथ 74,385.04 अंक के स्तर तक पहुंच गया। अंत में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया।

अमेरिका का यूरोप पर रक्षा जिम्मेदारी बढ़ाने का दबाव, चीन पर बढ़ा रहा फोकस

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका यूरोप पर अपनी रक्षा की जिम्मेदारी अधिक उठाने के लिए दबाव बना रहा है, जबकि वह महाद्वीप में अपनी मजबूत सैन्य उपस्थिति बनाए हुए है। यह एक ऐसा रणनीतिक बदलाव है जिसका भारत पर सीधा असर पड़ेगा, क्योंकि वाशिंगटन अब चीन और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है। हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी की सुनवाई में अमेरिकी सांसदों और रक्षा अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नाटो अब भी अमेरिकी रणनीति का केंद्रीय हिस्सा बना हुआ है, भले ही वाशिंगटन अपने सहयोगी देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने और जिम्मेदारी का अधिक हिस्सा उठाने के लिए दबाव डाल रहा हो। चेयरमैन माइक रोजर्स ने यूरोप में अमेरिकी सेनाओं की किसी भी समय से पहले की कटौती के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि ऐसा कदम रूस के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर सकता है। उन्होंने अपनी शुरुआती टिप्पणी में कहा, 'समय से पहले सेना हटाना एक खतरनाक प्रतिरोधक अंतर पैदा करेगा और रूस को और ज्यादा आक्रामक होने का न्योता देगा। ' जैसे-जैसे यूक्रेन में युद्ध लंबा खिंचता जा रहा है, अधिकारियों ने माना कि भारी नुकसान के बावजूद रूस के पास अभी भी काफी सैन्य क्षमता बची हुई है। भारत के लिए, जो मॉस्को और पश्चिमी देशों दोनों के साथ संबंध रखता है, इस लंबे संघर्ष के आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव हो सकते हैं।

नेतन्याहू का आतंकवाद वैश्विक शांति के लिए खतराः एर्दोगन

इस्तांबुल। पश्चिम एशिया में ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल के तीन हफ्तों से जारी युद्ध के बीच तुर्किए के साथ भी इजराइल के संबंध बिगड़ रहे हैं। तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का आतंकवाद क्षेत्रीय और वैश्विक, दोनों तरह की शांति के लिए खतरा है। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने ईद-उल-फितर के मौके पर एकता और एकजुटता का संदेश दिया, साथ ही मध्य पूर्व में हाल के घटनाक्रमों पर चिंता जताई। एर्दोगन ने कहा, नेतन्याहू का आतंकवाद क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरा बना हुआ है और ईरान से होने वाले हमलों ने हमारे क्षेत्र में अस्थिरता को और गहरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि तुर्किए शांति और स्थिरता बहाल करने तथा बातचीत और कूटनीति को फिर से शुरू करने के लिए अपने सभी संसाधनों को जुटा रहा है। उन्होंने भरोसा जताते हुए कहा कि हम एक-दूसरे का साथ देकर उम्मीद, धैर्य और दृढ़ता के साथ अपने क्षेत्र के इस कठिन दौर से बहुत जल्द उबर जाएंगे। क्षेत्र के अन्य संघर्षों का ज़िक्र करते हुए एर्दोगन ने कहा कि तुर्किए के प्रयासों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्षों में ईद के मौके पर विराम लग पाया है; उन्होंने उम्मीद जताई कि यह संघर्ष-विराम स्थायी हो जाएगा।

अमेरिका के दो लड़ाकू विमान उतारने का अनुरोध श्रीलंका ने नहीं माना, दिसानायके ने कहा- हम तटस्थ

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा कि श्रीलंका ने अमेरिका के दो लड़ाकू विमानों को मट्टाला में उतारने के अनुरोध को ठुकरा दिया। इसके साथ ही श्रीलंका ने तीन ईरानी जहाजों के सद्भावना यात्रा पर आने के अनुरोध को भी स्वीकार नहीं किया। अमेरिका और ईरान, दोनों के अनुरोधों को ठुकरा कर श्रीलंका ने अपनी तटस्थता बनाए रखी। श्रीलंका की डेली मिरर ऑनलाइन के अनुसार, राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने आज संसद को बताया कि श्रीलंका ने उस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया जिसमें अमेरिका ने अपने दो लड़ाकू विमानों को मट्टाला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति मांगी थी। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा कि कोलंबो को 26 फरवरी को अलग-अलग अनुरोध मिले थे। इसमें एक ईरान से, जिसमें तीन नौसैनिक जहाजों की सद्भावना यात्रा के लिए अनुमति मांगी गई थी और दूसरा अमेरिका से, जिसमें जिबूती के पास तैनात दो लड़ाकू विमानों को मट्टाला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति मांगी गई थी। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे सामने दो अनुरोध थे इसलिए फैसला साफ था। सरकार ने दोनों अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया ताकि किसी का पक्ष लेने से बचा जा सके क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संघर्ष बढ़ने के संकेत मिल रहे थे।

कुवैत की रिफाइनरी पर लगातार दूसरे दिन ईरान का हमला

तेहरान। ईरान ने कुवैत की मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर लगातार दूसरे दिन हमला कर तनाव को और बढ़ा दिया है। साउथ पार्स गैस फील्ड पर इजराइल के हमले के बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई ने पूरे इलाके में बड़े संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा संकट के खतरों को गंभीर रूप दे दिया है। समाचार एजेंसी के अनुसार, आज ईरान ने दो दिनों में दूसरी बार कुवैत की मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर हमला किया। इस हमले में ईरान ने अपनी सेना को फारस की खाड़ी के ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर केंद्रित किया, जबकि अमेरिका और इजराइल, तेहरान पर लगातार हमले करते रहे। सरकारी स्वामित्व वाली कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (केपीसी) ने बयान में बताया कि इस हमले के कारण रिफाइनरी की कई यूनिटों में आग लग गई।

इजरायल में रिजर्व सैनिक पर जासूसी के आरोप, ईरानी खुफिया अधिकारियों के संपर्क में था

एजेंसी

यरुशलम। इजरायल पुलिस ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में गिरफ्तार किए गए एक इजरायली रिजर्व सैनिक राज कोहेन पर आरोप लगाए गए। कोहेन पर आरोप है कि वह कई महीनों तक ईरानी खुफिया अधिकारियों के संपर्क में रहा। उन अधिकारियों ने उससे विभिन्न सुरक्षा मिशन करने के लिए कहा, जिनमें उसकी सेवा के दौरान प्राप्त संवेदनशील सुरक्षा जानकारी को साझा करना भी शामिल था। यरुशलम के 26 वर्षीय निवासी राज कोहेन 'आयरन डोम' वायु रक्षा मिसाइल इंटरसेप्शन सिस्टम यूनिट में सेवा देते थे। उसे एक मार्च को गिरफ्तार किया गया था। यह अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान के खिलाफ संयुक्त अभियान शुरू होने के ठीक एक दिन बाद की बात है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जांच में यह सामने आया कि उसे पता था कि यह संपर्क ईरानी

अधिकारियों की ओर से संचालित किया जा रहा है और इसके बदले में राज कोहेन ने उनसे पैसे भी प्राप्त किए। मिजान समाचार एजेंसी के अनुसार, इस साल की शुरुआत में ईरान ने एक व्यक्ति को फांसी दी थी, जिसे इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी करने का दोषी ठहराया गया था। सात जनवरी की रिपोर्ट में उस व्यक्ति की पहचान अली अर्देस्तानी के रूप में की गई थी और उसे ईरान के अंदर एक 'मुख्य' मोसाद ऑपरेटिव बताया गया, जिसने इजरायल को संवेदनशील जानकारी भेजी थी। उसे सोशल मीडिया के माध्यम से मोसाद ने भर्ती किया था और उसने कई मिशन पूरे किए, जिनमें विशेष स्थानों की तस्वीरें लेना और कुछ व्यक्तियों के बारे में जानकारी देना शामिल था। इसके बदले में उसे डिजिटल मुद्रा में भुगतान किया गया था। एजेंसी के अनुसार, अर्देस्तानी ने स्वीकार किया था कि उसने जानबूझकर मोसाद अधिकारियों के साथ सहयोग किया और उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। एजेंसी ने आगे बताया कि उसकी मौत की सजा पूरी न्यायिक प्रक्रिया और ईरान के सुप्रीम कोर्ट की पुष्टि के बाद लागू की गई।

जून 2025 में 12 दिनों के संघर्ष के बाद, ईरान की सुरक्षा, खुफिया और न्यायिक एजेंसियों ने इजरायल के लिए जासूसी करने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार किया था।

भारत ने वक्फ़ कानून पर यूएन के विशेषज्ञ की रिपोर्ट को झूठा करार देते हुए इसे 'शत्रुतापूर्ण' बताया

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । भारत ने अल्पसंख्यक मामलों के विशेषज्ञ द्वारा तैयार की गई एक रिपोर्ट को 'तथ्यों के विपरीत' और देश के प्रति 'शत्रुतापूर्ण' करार देते हुए खारिज कर दिया है। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के काउंसलर गौरव कुमार ठाकुर ने मंगलवार को जिनेवा में मानवाधिकार परिषद की एक बैठक में कहा कि लेवराट के दावे 'तथ्यात्मक रूप से गलत हैं और इसके पृष्ठभूमि और इतिहास की समझ पर आधारित नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'उनकी टिप्पणियों की शैली और सामग्री भारत के प्रति स्पष्ट रूप से शत्रुतापूर्ण दृष्टिकोण को दर्शाती है। ' मानवाधिकार परिषद के विशेष रैपोर्टियर स्वतंत्र विशेषज्ञ होते हैं, जो व्यक्तिगत क्षमता में अपने मुद्दों पर रिपोर्ट तैयार करते हैं। हालांकि उनकी रिपोर्ट परिषद की स्वीकृति प्राप्त प्रतीत होती है और जरूरी नहीं कि परिषद का दृष्टिकोण दर्शाए।

यूरोपीय और अंतरराष्ट्रीय कानून के जिनेवा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर लेवराट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि वक्फ़ संशोधन अधिनियम 'मुस्लिम समुदायों की पूजा स्थलों के स्वामित्व और संचालन करने की क्षमता को प्रभावित करता है। '

ठाकुर ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य 'प्रगतिशील' है और इसका मकसद 'पारदर्शिता, लैंगिक समानता व अधिक प्रभावी प्रशासन को बढ़ावा देना' है।

उन्होंने कहा कि यह कानून बोहरा और अगाखानी जैसी अल्पसंख्यक मुस्लिम संप्रदायों को सशक्त बनाता है, उनके 'अपने समुदाय के हितों की रक्षा करने और अपने पूजा स्थलों की स्थापना करने के अधिकार' को संवैधानिक रूप से सुनिश्चित करके।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो को बताया 'कागजी शेर', कहा- हम इसे याद रखेंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन। नाटो के लड़ाई में शामिल होने से मना करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट अब उनके बयानों में नजर आ रही है। ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में दावा करते हुए कहा, 'संयुक्त राष्ट्र के बिना, नाटो एक कागजी शेर है।' दरअसल, अमेरिकी राजनीति और वैश्विक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ चल रही सैन्य कार्रवाई में नाटो के भाग न लेने की बात पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि नाटो की ताकत अमेरिका की भागीदारी पर निर्भर है और उसके बिना यह 'कागजी शेर' के समान है। इतना ही नहीं, ट्रंप ने नाटो के लिए 'कायर' जैसे शब्द का इस्तेमाल किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर पोस्ट कर लिखा, ''संयुक्त राज्य अमेरिका के बिना, नाटो एक कागजी शेर है। वे एक परमाणु-संपन्न ईरान के खिलाफ लड़ाई को रोकने के लिए शामिल होना नहीं चाहते थे। अब जब वह लड़ाई सैन्य रूप से जीत ली गई है, और उनके लिए बहुत कम खतरा है, तो वे उन उच्च तेल कीमतों के बारे में शिकायत करते हैं, जो उन्हें चुकानी पड़ रही हैं।''ट्रंप ने आगे लिखा, ''वे होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में मदद नहीं करना चाहते, जो एक साधारण सैन्य कदम है और वही एकमात्र कारण है, जिससे तेल की कीमतें ऊंची हैं। उनके लिए यह करना बहुत आसान है, और जोखिम भी बहुत कम है। कायर, और हम इसे याद रखेंगे। ' हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा था कि जो देश होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते होने वाली ऊर्जा और तेल की आपूर्ति पर निर्भर हैं, उन्हें अमेरिका की मदद करनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर निराशा भी जताई थी कि कई सहयोगी देश आगे आने से हिचक रहे हैं। ट्रंप ने कहा था कि कई बड़े देश अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इसी रणनीतिक समुद्री रास्ते पर काफी हद तक निर्भर हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे बड़े देशों का नाम लिया था। ट्रंप ने कहा था कि चीन को भी अमेरिका का आभार जताना चाहिए। उनके मुताबिक जापान अपनी लगभग 95 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों के लिए, चीन करीब 91 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया भी अपने तेल और ऊर्जा का बड़ा हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते हासिल करता है। ट्रंप पहले भी नाटो को लेकर अपनी पुरानी चिंता दोहराते रहे हैं। एक बयान में उन्होंने कहा था कि समस्या यह है कि अमेरिका हमेशा अपने सहयोगियों के लिए खड़ा रहता है।

दक्षिण कोरियाः कार पुर्जे बनाने वाले कारखाने में लगी भीषण आग, 50 घायल

एजेंसी

डेयजॉन । दक्षिण कोरिया के डेयजॉन शहर में एक कार पुर्जे बनाने वाले कारखाने में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 50 लोग घायल हो गए, जिनमें 35 की हालत गंभीर बताई गई है। यह जानकरी स्थानीय अधिकारियों ने दी। यह आग स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर करीब 1:17 बजे लगी। आग की गंभीरता को देखते हुए नेशनल फायर एजेंसी ने देशभर से मदद जुटाने का आदेश जारी किया। ऐसा आदेश तब दिया जाता है, जब स्थानीय प्रशासन के लिए अकेले आग पर काबू पाना मुश्किल हो जाए। दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री किम मिन-सोक ने गृह मंत्रालय और फायर एजेंसी को तुरंत सभी जरूरी संसाधन और कर्मियों को राहत-बचाव कार्य में लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने लोगों को सुरक्षित निकालने और आग बुझाने का काम तेजी से करने को कहा। प्रधानमंत्री ने डेयजॉन महानगर सरकार और पुलिस को भी निर्देश दिया कि ट्रैफिक कंट्रोल और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने जैसे कदम उठाकर किसी भी और नुकसान को रोका जाए।इससे पहले 14 मार्च को सियोल के जंग-गु इलाके के सोगोंग-डोंग में एक सात मंजिला इमारत में आग लगी थी, जिसमें 10 लोग घायल हुए थे। बताया गया था कि आग शाम करीब 6:10 बजे इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित एक गेस्टहाउस में शुरू हुई थी। इस हादसे में 2 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे, जबकि 8 लोगों को हल्की चोटें आई थीं। घायलों में कुछ विदेशी नागरिक भी शामिल थे।

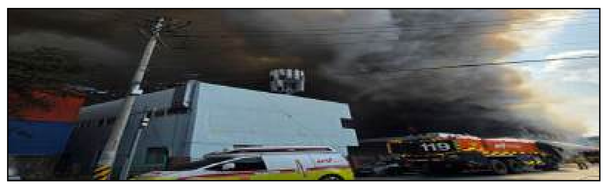

फायर विभाग ने उस समय लेवल-1 इमरजेंसी रिस्पॉन्स जारी किया था और राहत कार्य चलाया था। इससे पहले 10 फरवरी को दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी इलाके ग्योंगसान में एक तेल टैंक में विस्फोट के बाद आग लग गई थी। यह हादसा सोल से करीब 250 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित एक बाहरी टैंक भंडारण केंद्र में हुआ था।

पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान में गहराया मानवीय संकट, दमन और उपेक्षा से बढ़ा असंतोषः रिपोर्ट

एजेंसी

लंदन । पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में आवश्यक सेवाओं की कमी के कारण मानवीय संकट गहराता जा रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई, बेरोजगारी, खाद्य असुरक्षा और बिजली संकट जैसी समस्याएं राजनीतिक उपेक्षा और सुरक्षा-आधारित प्रशासन के साथ मिलकर हालात को और गंभीर बना रही हैं। यूके स्थित अखबार 'एशियन लाइट' की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इन क्षेत्रों में महिलाओं और छात्रों की बढ़ती भागीदारी वाले विरोध प्रदर्शन समाज में गहरे असंतोष का संकेत हैं, जो लंबे समय से चली आ रही संरचनात्मक उपेक्षा से जुड़ा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बिजली की भारी कमी और बढ़े हुए बिल यहां के लोगों के लिए सालभर की समस्या बन गए हैं। विडंबना यह है कि बड़े जलविद्युत परियोजनाओं के बावजूद स्थानीय लोगों को लंबी कटौती झेलनी पड़ती है और उनसे वाणिज्यिक दरों पर शुल्क वसूला जाता है। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में हालात इतने बिगड़ गए कि विरोध प्रदर्शन क्षेत्रव्यापी बंद में बदल

गए। प्रदर्शनकारियों ने महंगे बिजली बिल, बकाया वेतन और नागरिक अधिकारों में कटौती का हवाला देते हुए बिल भरने से इनकार कर दिया। इसके जवाब में प्रशासन ने कई बार गिरफ्तारियां, संचार बंदी और बल प्रयोग का सहारा लिया।

वहीं, पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में जमीन के मालिकाना हक का मुद्दा बड़ा विवाद बनकर उभरा है। बड़ी मात्रा में जमीन को सरकारी संपत्ति घोषित किए जाने से स्थानीय लोगों को अपने पुश्तैनी अधिकारों से वंचित होना पड़ रहा है। बुनियादी ढांचा और रणनीतिक परियोजनाओं के नाम पर जमीन कब्जाने और बिना मुआवजे विस्थापन के आरोपों ने लोगों में नाराजगी बढ़ाई है।रिपोर्ट के अनुसार, इन क्षेत्रों में उत्पादित बिजली पाकिस्तान के राष्ट्रीय ग्रिड में जाती है, जबकि स्थानीय लोग बिजली संकट और महंगे टैरिफ से जूझ रहे हैं। इससे यह धारणा मजबूत हुई है कि क्षेत्र के संसाधनों का उपयोग बाहरी हितों के लिए किया जा रहा है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आलोचकों का आरोप है कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां, खासकर आईएसआई, समस्याओं के समाधान के बजाय विरोध को दबाने पर ज्यादा ध्यान देती हैं। निगरानी, डराने-धमकाने और जबरन गायब किए जाने के आरोप भी सामने आए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यह मुद्दा धीरे-धीरे ध्यान खींच रहा है। 2025 में जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के सत्र के दौरान पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान के कार्यकर्ताओं ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध पर पाबंदियों को लेकर गंभीर चिंता जताई थी।

अमेरिका में 200 बिलियन डॉलर के युद्ध वित्तपोषण प्रस्ताव पर कांग्रेस में उठे सवाल

एजेंसी

वॉशिंगटन । ईरान युद्ध की बढ़ती लागत और इसके वैश्विक बाजारों पर प्रभाव ने अमेरिकी कांग्रेस में विभाजन को और गहरा कर दिया है, क्योंकि रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ही पार्टी के सांसद प्रस्तावित 200 बिलियन डॉलर से अधिक के युद्ध वित्त पोषण अनुरोध के पैमाने और मकसद पर सवाल उठा रहे हैं। सीएनएन के अनुसार, व्हाइट हाउस युद्ध के लिए भारी नए वित्त पोषण की मांग करने की तैयारी कर रहा है जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अपनी पार्टी में स्पष्ट रणनीति और समयरेखा की कमी को लेकर संदेह बढ़ रहा है। सांसदों का कहना है कि प्रशासन ने अब तक यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं किया है कि यह पैसा कैसे इस्तेमाल होगा या अमेरिकी सैन्य संलग्नता कितने समय तक चलेगी।

ट्रम्प ने संकेत दिया कि यह अनुरोध बहुत बड़ा हो सकता है, यह कहते हुए कि सेना को अपनी शक्ति बनाए रखने के लिए संसाधनों की जरूरत है।उन्होंने कहा, 'हम सबसे अच्छे आकार में होना चाहते हैं, जितना हमने कभी नहीं रहा।' उन्होंने जोड़ा, 'यह सुनिश्चित करने के लिए कि हम शीर्ष स्तर पर बने रहें, यह एक छोटी कीमत है। 'हालांकि, इस तर्क का विरोध भी हो रहा है। कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने खुले तौर पर अतिरिक्त खर्च को खारिज कर दिया है, जो कई लोगों के अनुसार संभावित 'अनंत युद्ध' का संकेत देता है।प्रतिनिधि लॉरेन बोएबर्ट ने कहा, 'मैं नहीं कहती। मैंने नेतृत्व को पहले ही बता दिया है। मैं किसी भी युद्ध पूरक बजट के लिए 'नहीं' हूं। मैं वहां पैसा खर्च करने से थक गई हूं। मेरे राज्य कोलोराडो में लोग जीवित रहने के लिए पैसे नहीं जुटा पा रहे। हमें अभी अमेरिका फर्स्ट नीतियों की जरूरत है। ' प्रतिनिधि चिप रॉय ने कहा, 'हम क्या कर रहे हैं? हम जमीनी सैनिकों की बात कर रहे हैं।

आतंकवाद का केंद्र' पाक जब तक अपने में सुधार नहीं लाता सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । भारत ने दोहराया है कि सिंधु जल संधि तब तक निलंबित रहेगी जब तक 'आतंक का वैश्विक केंद्र' पाकिस्तान अपने तरीकों में सुधार नहीं करता। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने गुरुवार को विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि पाकिस्तान को 'संधियों की पवित्रता बनाए रखने की बात करने से पहले मानव जीवन की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए। ' उन्होंने कहा, 'भारत हमेशा एक जिम्मेदार उच्च जलधारा वाला राज्य रहा है लेकिन जिम्मेदारी दोतरफ़ा रास्ता है। पाकिस्तान को अपनी राज्य नीति के उपकरण के रूप में आतंकवाद का उपयोग करना पूरी तरह से छोड़ना होगा। ' हरीश का यह बयान उस समय आया जब पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि को ऐसा प्रस्तुत किया मानो वह हताहत पक्ष हो, जबकि कार्यक्रम का विषय था सुरक्षित जल और स्वच्छता तक सभी के लिए पहुंच सुनिश्चित करना, जो कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) से जुड़ा है।

हरिश ने कहा, 'भारत ने इस संधि पर 1960 में सद्भाव और मित्रता की भावना में हस्ताक्षर किए लेकिन पाकिस्तान ने इस भावना का उल्लंघन करते हुए भारत पर तीन युद्ध और हजारों आतंकी हमले किए। ' उन्होंने कहा, 'दसियों हजार निर्दोष भारतीय पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवादी हमलों के शिकार बने।' पिछले साल द रेजिस्टेंस फ्रंट द्वारा पहलगाम में धर्म आधारित आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया।

उन्होंने कहा, 'हमारी सहनशीलता और उदारता ने पाकिस्तान के तरीकों को नहीं बदला। अंततः हमें घोषणा करनी पड़ी कि यह संधि तब तक निलंबित रहेगी जब तक पाकिस्तान, जो आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है, सभी प्रकार के आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से समाप्त नहीं करता। '

उन्होंने कहा कि तकनीकी, जनसांख्यिकीय और पारिस्थितिक बदलावों के कारण पिछले 65 वर्षों में क्षेत्र में मौलिक बदलाव हुए हैं, जिसके लिए पाकिस्तान चर्चा करने से इंकार करता रहा। उन्होंने कहा, 'संधि में संशोधन पर पाकिस्तान के साथ हमारी सभी कोशिशें ठुकरा दी गईं। 'कार्यक्रम के विषय पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि इस साल 22 मार्च को विश्व जल दिवस रविवार को पड़ रहा है और भारत ने सुरक्षित जल और स्वच्छता तक सार्वभौमिक पहुंच के सतत विकास लक्ष्य को उच्च प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा, 'जल जीवन मिशन के माध्यम से भारत ग्रामीण घरों में पाइप से पीने के पानी की आपूर्ति कर दुनिया के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक को लागू कर रहा है। ' 2019 में शुरू हुए इस मिशन ने अब तक ग्रामीण घरों के 81.76 प्रतिशत घरों (कुल 1.58 करोड़) तक सुरक्षित नल का पानी पहुंचाया है। उन्होंने कहा, 'सामुदायिक भागीदारी इस प्रयास की आधारशिला है, जिसमें गांव जल समितियां, जिनमें से कई महिलाओं द्वारा नेतृत्व की जाती हैं, स्थानीय जल प्रणालियों की योजना, निगरानी और रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। '

इजरायली हमले में आईआरजीसी के प्रवक्ता अली मोहम्मद नैनी की मौत, ईरान ने बताया 'शहादत'

एजेंसी

यरुशलम । इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रवक्ता और पब्लिक रिलेशंस प्रमुख अली मोहम्मद नैनी की इजरायली हमले में मौत हो गई है। आईडीएफ द्वारा जारी बयान के मुताबिक, नैनी आईआरजीसी में प्रचार और जनसंपर्क से जुड़ी कई अहम भूमिकाओं में रहे थे। इजरायली सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि नैनी पिछले दो वर्षों से आईआरजीसी के मुख्य प्रचारक के रूप में काम कर रहे थे और मध्य-पूर्व में उसके सहयोगी संगठनों के जरिए 'आतंकी प्रोपेगैंडा' फैलाने में शामिल थे। वहीं, आईआरजीसी ने भी ब्रिगेडियर जनरल अली मोहम्मद नैनी की मौत की पुष्टि करते हुए इसे 'रमजान के अंतिम घंटों में अमेरिका-इजरायल के आतंकी हमले' में हुई शहादत बताया। ईरानी मीडिया के अनुसार, इस हमले को 'राज्य प्रायोजित कायराना आतंकवाद' करार देते हुए ईरान ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इससे पहले आईडीएफ ने बुधवार को दावा किया था कि ईरान के खुफिया मंत्री इस्माइल खतिब भी तेहरान में एक लक्षित हवाई हमले में मारे गए। आईडीएफ के अनुसार, खतिब ईरान में हालिया प्रदर्शनों के दौरान कार्रवाई और विदेशों में इजरायल व अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ गतिविधियों में अहम भूमिका निभा रहे थे। इसी तरह मंगलवार को इजरायल ने ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारिजानी को भी मार गिराने का दावा किया था। लारिजानी को ईरानी नेतृत्व का वरिष्ठ और

प्रभावशाली चेहरा माना जाता था। ईरानी मीडिया ने भी 17 मार्च को तेहरान में हुए हवाई हमले में लारिजानी और उनके बेटे की मौत की पुष्टि की थी। इसके अलावा, आईडीएफ ने बसीज यूनिट के कमांडर गुलामरेज़ा सुलेमानी के मारे जाने का भी दावा किया है। इजरायल के अनुसार, उनके नेतृत्व में बसीज बल ने ईरान में विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए कड़े कदम उठाए थे।

ईद के कार्यक्रम के दौरान ऑस्ट्रेलियाई पीएम और गृह मामलों के मंत्री के खिलाफ नारेबाजी

एजेंसी

सिडनी। पश्चिमी सिडनी की एक मस्जिद में ईद के कार्यक्रम के दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। लाकेम्बा में आयोजित इस कार्यक्रम में कुछ लोगों ने इजराइल-गाजा मुद्दे पर सरकार के रुख को लेकर नारेबाजी की और दोनों नेताओं को बाहर निकालने की मांग की, जबकि बड़ी संख्या में वहां मौजूद लोगों ने उनका समर्थन भी किया। ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम (एबीसी) तथा विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को पश्चिमी सिडनी में ईद के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क को विरोध का सामना करना पड़ा। यह घटना लकेम्बा स्थित एक मस्जिद में हुई, जहाँ नमाज़ के बाद कुछ लोगों ने नेताओं के खिलाफ नारेबाज़ी की। ईद की नमाज के बाद जब सभा को संबोधित किया जा रहा था, तभी कुछ लोग अल्बनीज़ और टोनी बर्क के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्हें वहां से निकालने की मांग करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने दोनों नेताओं पर अंतरराष्ट्रीय मुद्दों, खासकर इज़राइल-गाज़ा संघर्ष पर उनके रुख को लेकर नाराज़गी जताई।

अफगानिस्तान ने लगाया आरोप, युद्धविराम के बावजूद पाकिस्तान डूरंड लाइन पर कर रहा गोलाबारी

एजेंसी

काबुल । पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने ईद के मद्देनजर 18 से 23 मार्च अस्थायी युद्ध विराम पर सहमति जताई है, लेकिन अफगानिस्तान का आरोप है कि पाकिस्तान की सेना युद्ध विराम के बावजूद गोलाबारी कर रही है। अफगानिस्तान के सशस्त्र बलों के प्रमुख फसीहुद्दीन फितरत ने पाकिस्तान की सेना पर डूरंड लाइन पर युद्धविराम के उल्लंघन का आरोप लगाया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सीमा क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना के किए हमलों में कई लोगों की मौत हुई है। यह जानकारी अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के बयान में दी गई। फितरत ने कहा कि युद्धविराम के बावजूद पाकिस्तान की लगातार हो रही गोलाबारी यह दिखाती है कि इस्लामाबाद इस समझौते को लेकर गंभीर नहीं है और वह धोखा दे रहा है। उन्होंने कहा कि हालात और न बिगड़ें, इसलिए अफगानिस्तान ने अब तक कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की है और वह युद्धविराम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए हुए है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसे हमले दोबारा हुए तो युद्धविराम का कोई मतलब नहीं रह जाएगा और तालिबान पाकिस्तान की कार्रवाई का निर्णायक जवाब देगा। अफगानिस्तान ने कहा था कि वह ईद के मौके पर अपनी 'रद अल-जुल्म' रक्षात्मक कार्रवाई को रोक देगा। यह फैसला सऊदी अरब, कतर और तुर्किये जैसे मध्यस्थ देशों के अनुरोध पर किया गया था। पाकिस्तान ने भी ईद के लिए सैन्य कार्रवाई में अस्थायी विराम देने की घोषणा की थी। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा था कि यह फैसला क्षेत्रीय मध्यस्थों के आग्रह पर लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में 70 से अधिक तोप के गोले दागे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कुनार के सूचना और संस्कृति विभाग के प्रमुख जिया-उर-रहमान स्पिन घर ने बताया कि नरई जिले के बारिकोट, डोकलाम और त्सोंगलई समेत कई इलाकों में 35 गोले दागे गए। इसके अलावा मनोगई जिले के कुछ हिस्सों में 37 गोले गिरने की खबर है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है, जबकि अधिकारी हालात पर नजर बनाए हुए हैं। 16 मार्च को पाकिस्तानी हवाई हमले में काबुल के ओमिद नशामुक्ति केंद्र/अस्पताल को निशाना बनाया गया। जब अफगानिस्तान ने आम नागरिकों पर हमले को लेकर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घेरा तो पाकिस्तान ने कहा कि उसने किसी नागरिक ठिकाने को नहीं, बल्कि सैन्य ढांचे और 'आतंकी इन्फ्रास्ट्रक्चर' को निशाना बनाया था। पिछले मंगलवार को अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने काबुल पर पाकिस्तानी हवाई हमलों की निंदा की थी और इसे मानवीय तथा इस्लामी सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन बताया था। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तानी हमले में 408 से अधिक लोग मारे गए और 260 से ज्यादा घायल हुए, जिनमें अधिकांश नशामुक्ति केंद्र में इलाज करा रहे मरीज थे। काबुल में राजनयिकों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मुत्ताकी ने कहा था कि पाकिस्तानी हवाई हमले में समाज के सबसे कमजोर वर्गों में से एक यानी नशे की लत का इलाज करा रहे लोगों को निशाना बनाया गया।उन्होंने यह भी कहा कि फरवरी से अब तक अफगानिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में नागरिक इलाकों पर बार-बार हमले हुए हैं, जिससे कूटनीतिक समाधान पर भरोसा कम हुआ है। मुत्ताकी ने चेतावनी दी कि अगर हमले जारी रहे तो अफगान बल रक्षात्मक जवाब देता रहेगा। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा जरूर करेगा।

page 1 and 8 mar 22_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/21/2026 10:58 PM Page 2

शहतूत की खेती और रेशम कीट पालन

By: Kheti Guruji

कच्चा रेशम बनाने के लिए रेशम के कीटों का पालन सेरीकल्चर या रेशम कीट पालन कहलाता है। रेशम उत्पादन का आशय बड़ी मात्रा में रेशम प्राप्त करने के लिए रेशम उत्पादक जीवों का पालन करना होता है। इसने अब एक उद्योग का रूप ले लिया है। यह कृषि पर आधारित एक कुटीर उद्योग है। इसे बहुत कम कीमत पर ग्रामीण क्षेत्र में ही लगाया जा सकता है। कृषि कार्यों और अन्य घरेलू कार्यों के साथ इसे अपनाया जा सकता है। श्रम जनित होने के कारण इसमें विभिन्न स्तर पर रोजगार का सृजन भी होता है और सबसे बड़ी बात यह है कि यह उद्योग पर्यावरण के लिए मित्रवत है। अगर भारत की बात करें तो रेशम भारत में रचा बसा है।

हजारों वर्षों से यह भारतीय संस्कृति और परंपरा का अंग बन चुका है। कोई भी अनुष्ठान किसी न किसी रूप में रेशम के उपयोग के बिना पूरा नहीं माना जाता। रेशम उत्पादन में भारत विश्व में चीन के बाद दूसरे नंबर पर आता है। रेशम के जितने भी प्रकार हैं, उन सभी का उत्पादन किसी न किसी भारतीय इलाके में अवश्य होता है। भारतीय बाजार में इसकी खपत काफी ज्यादा है।

विशेषज्ञों के अनुसार रेशम उद्योग के विस्तार को देखते हुए इसमें रोजगार की काफी संभावनाएं हैं। फैशन उद्योग के काफी करीब होने के कारण उम्मीद की जा सकती है कि इसकी डिमांड में कमी नहीं आएगी। पिछले कुछ दशकों में भारत का रेशम उद्योग बढ़ कर जापान और पूर्व सोवियत संघ के देशों से भी ज्यादा हो गया है, जो कभी प्रमुख रेशम उत्पादक देश हुआ करते थे। भारत रेशम का बड़ा उपभोक्ता देश होने के साथ-साथ पांच किस्म के रेशम- मलबरी, टसर, ओक टसर, एरि और मूंगा सिल्क का उत्पादन करने वाला अकेला देश है। मूंगा रेशम के उत्पादन में भारत का एकाधिकार है। यह कृषि क्षेत्र की एकमात्र नकदी फसल है, जो 30 दिन के भीतर प्रतिफल प्रदान करती है। रेशम की इन किस्मों का उत्पादन मध्य और पूर्वोत्तर भारत के जनजातीय लोग करते हैं और यहां चीन से भी ज्यादा मलबरी कच्चा सिल्क और रेशमी वस्त्र बनता है। रेशम का मूल्य बहुत अधिक होता है और इसके उत्पादन की मात्रा बहुत ही कम होती है। विश्व के कुल कपड़ा उत्पादन का यह केवल 0.2 फीसदी ही है। रेशम आर्थिक महत्त्व का मूल्यवर्द्धित उत्पाद प्रदान करता है।

रेशम कीट पालन में शहतूत एक महत्वपूर्ण कारक है आप इस पौधे के बिना रेशम कीट पालन की कल्पना नही कर सकते हैं शहतूत का पौधा एक बहुवर्षीय वृक्ष है। इसके पौधे का वृक्षारोपण एक बार करने पर आगामी 15 वर्षो तक इसकी उच्च गुणवत्ता की शहतूत पत्तियाँ रेशम कीट को प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होती है। अत प्रथम शहतूत वृक्षारोपण करते समय तकनीकी मापदण्डों को ध्यान में रखना चाहिए, क्योंकि कोया उत्पादन लागत में लगभग 50 प्रतिशत धनराशि शहतूत पत्तियों के उत्पादन में ही व्यय होती है। अत यह आवश्यक है कि प्रति इकाई क्षेत्र में अधिकतम शहतूत पत्तियों का उत्पादन हो जिससे रेशम उद्योग से अधिकाधिक लाभ प्राप्त किया जा सके।

रेशम कीट पालन हेतु शहतूत की उन्नत प्रजातियाँ -

किसान भाई शहतूत की उन्नत प्रजातियों जैसे के-2, एस-146 टी.आर. -10, एस-54, प्रजातियों का चयन शहतूत पौधालय की स्थापना हेतु करें ।

भूमि का चयन -

किसान भाई शहतूत के लिए ऐसी भूमि का चुनाव करें जो उसरीली न हो साथ ही जहां पानी का ठहराव न हो, एवं सिंचाई व्यवस्था हो, सामान्यत उचित जल निकास वाली भूमि शहतूत के पौधे के लिए उपयुक्त होती है। बलुई-दोमट भूमि शहतूत वृक्षारोपण के लिए उत्तम होती है ।

भूमि की तैयारी

किसान भाइयों, शहतूत के वृक्षारोपण हेतु मानसून की वर्षा से पूर्व भूमि की तैयारी प्रारम्भ की जाती है। भूमि को देशी हल अथवा रोटावेटर की मदद से 30-35 से.मी. गहरी जुताई करें साथ ही प्रति एकड़ की दर से 8 मे.टन गोबर की सड़ी खाद भूमि में मिलाई जाती है। भूमि में यदि दीमक के प्रकोप की सम्भावना हो तो गोबर की खाद के साथ-साथ लगभग 100 कि0ग्रा0 बी0एच0सी0 पाउडर 20प्रतिशत एल्ड्रीन 5 प्रतिशत दीमक की रोकथाम के लिए मिट्टी में मिलाया जाना चाहिए।

वृक्षारोपण का समय -
जुलाई/ अगस्त
दिसम्बर/ जनवरी (सिंचाई की सुविधा वाले क्षेत्रों में)
शहतूत पौधालय हेतु पौधों का प्रवर्धन -
किसान भाइयों, शहतूत के पौधे निम्न विधियों द्वारा तैयार किये जाते हैं -

- ***शहतूत बीज द्वारा***
- ***शहतूत कटिंग द्वारा***
- ***लेयरिंग द्वारा***
- ***ग्राफ़्टिंग द्वारा***

सामान्यत-कम लागत एवं अच्छी गुणवत्ता के पौधें कटिंग विधि से तैयार की जाती है। इस प्रचलित विधि में शहतूत की टहनियों (जो छ से नौ माह पुरानी हो) से कटिंग तैयार की जाती है। टहनियों को 6 इंच से 8 इंच लम्बी काट दी जाती है, जिसमें 4-5 कलियां हो। उक्त कटिंग का रोपण नर्सरी हेतु तैयार खेत में किया जाता है।

कटिंग को जमीन में तिरछा गाड़ते है एवं उसके चारों ओर मिट्टी को दबाकर सिंचाई कर दी जाती है। कटिंग में उपलब्ध भोज्य पदार्थ के उपयोग से कुछ ही दिनों में कटिंग से पत्तियां निकल आती है एवं लगभग 6 माह में 3-4 फुट लम्बी शहतूत पौध तैयार हो जाती है, जो शहतूत वृक्षारोपण हेतु उपयुक्त होती है।

सामान्यत- नर्सरी से कटिंग का रोपण जुलाई/ अगस्त अथवा दिसम्बर/ जनवरी में किया जाता है। जुलाई/ अगस्त में रोपित कटिंग से दिसम्बर/ जनवरी में पौध रोपण हेतु एवं दिसम्बर/ जनवरी में रोपित कटिंग से जुलाई/ अगस्त में पौध वृक्षारोपण हेतु प्राप्त होती है।

पौध आपूर्ति के दो स्त्रोत है।राजकीय शहतूत उद्यान एवं व्यक्गित क्षेत्र की किसान नर्सरी में उपरोक्त विधि से तैयार पौधों की आपूर्ति की जाती है।

शहतूत पौध तैयार करने हेतु कटिंग की तैयारी-

उन्नत प्रजाति की शहतूत छट्टियों (6 माह से एक वर्ष तक पुरानी) कटिंग हेतु प्राप्त करनी चाहिए। टहनियों/छट्टियों को साये में पेड़ के नीचे रखना चाहिए जिससे सूखने न पाये। टहनियों से पेंसिल अथवा तर्जनी की मोटाई का 22 सेमी, की कटिंग तैयार किया जाना चाहिए जिसमें कम से कम तीन चार बड़ हों। कटिंग के सिरे लगभग 45 डिग्री कोण तेज धार के औजार से काटे जायें, जिससे सिरे पर छाल निकलने न पाये। यदि कटिंग तुरन्त लगाने की स्थिति में न हो तो कटिंग की गड्डियों को उलटाकर गहरी क्यारी अथवा गडढे में लाइनों में लगाकर उस पर मिट्टी की हल्की परत डालकर फव्वारे द्वारा प्रतिदिन हल्का-हल्का पानी डालें ताकि नमी बने रहे व सूखने न पाये। आवश्यकतानुसार इस उल्टी कटिंग के बण्डंलों को निकालकर सीधा खेत में रोपित करें। भूमि की तैयारी के उपरान्त क्यारियों अथवा रेज्ड वेड को तैयार कर लिया जाए ।

सब्जियों में समेकित रोग प्रंबधन

जम्मू की जलवायु समशीतोष्ण होने के कारण यहाँ पर सालों भर सब्जियों की खेती होती है जम्मू, सांबा, कठुआ, डोडा, उधमपुर, राजौरी, सुंदरबनी, नौशहरा जिलों में सब्जियों की खेती अपना विशेष स्थान बनाये हुए हैं। यह पर टमाटर, बैंगन, खीरा, शिमलामिर्च मटर, गोभी, प्याज, फ्रेंचबीन, आदि की खेती बड़े पैमाने पर सफलतापूर्वक की जाती है। सब्जियों की खेती में कई तरह की समस्याएँ जैसे कीड़ों तथा रोगों के प्रकोप के फलस्वरूप 10-30% हानि होती है तथा कभी-कभी शत प्रतिशत फसल इसने बर्बाद हो जाते हैं। उग्ररूप धारण कर लेने पर रोगों पर नियंत्रण पाना कठिन होता है। वहीं पैदावार व गुणवत्ता पर कुप्रभाव पड़ता है।

बैंगन की फोमोपिसस एवं अंगमारी तथा मिर्च एवं सेम वर्गीय फसलों में एन्थ्रेकनोज घातक बीमारियाँ हैं, जो बीज को संक्रमित कर अगली फसल को भी हानि पहुचाती है। अतः यह आवश्यक है कि इनका निदान उचित समय पर किया जाए। अनुशषित मात्रा से कम रसायनों का प्रयोग जहाँ रोगों में प्रतिरोधक क्षमता पैदा करता है। अतः कीटनाशक अथवा रोगनाशक दवाओं का प्रयोग करते समय पूरी सावधानी बरती जानि चाहिए। इसलिए व्याधियों से राहत पाने के लिए समेकित प्रबन्धन की आवश्कता है जो इस प्रकार है-

1. प्ररिरोधी किस्मों का प्रयोग
2. अगेती रोपाई
3. व्यवहारिक नियन्त्रण (कल्चरल कंट्रोल) गर्मी के मौसम में खेत की जुताई
4. पलवार (म्लिचंग) द्वारा खरपतवार को नष्ट करना तथा खेत की नमी बनाये रखना ।
5. उचित समय पर पानी का प्रयोग तथा अत्यधिक पानी के उचित निकास का प्रंबध करना।
6. जैविक पोषक तत्वों का समुचित मात्रा में प्रयोग करना।
7. खेत में करंज या नीम की खल्ली का प्रयोग करना।
8. वनस्पितक पदार्थों जैसे नीम, तुलसी, पुटुस (लेंटाना) करंज, सरसों इत्यादि की पत्तियों के घोल के प्रयोग से बीमारी एवं कीड़ों की समस्याओं को कम करना।
9. अनुशंसित फसल अपनाना।
10. रोग ग्रस्त पत्तियों को इक्कठा कर जल देना या जमीन में गाड़ देना
11. भूमि शोधन करना
12. जैविक फुफन्दी नाशक जैसे ट्राईकोडर्मा. संजीवनी, कालिसेना एवं जैविक कीटनाशक जैसे बी.टी.ए.वी. भी का प्रयोग।

विभिन्न प्रकार के सब्जियों की रोगों के लक्षणों की जानकारी आवश्यक है जो इस प्रकार हैं तथा इनके रोकथाम के उपाय

डैम्पिंग ऑफ़ (पादगलन या आद्रगलन)

यह टमाटर, मिर्च, बैंगन, गोभी के नर्सरी में गलने वाले एक मृदाजनित फफूंद जैसे पिथियम तथा राईजोक्तानियाँ से होता है। इसके लक्षण मुख्यत दो अवस्थाओं में पाए जाते हैं।

पहली अवस्था में अंकुरित बीजों का जमीन की सतह से निकलने के पूर्व ही पौधा गल जाता है तथा

दूसरी अवस्था में बीज अंकुरण के 15 से 20 दिनों के अंदर जमीन की सतह से पौधों का गलना।

पाउडरी मिल्ड्यू (चूर्णिल आसिता)

यह रोग टमाटर, मिर्च, बैंगन, प्याज, कद्दूवर्गीय सब्जियां जैसे (खीरा, लौकी, करैला) पत्तागोभी, फूलगोभी मूली, शलजम, मटर, भिन्डी, फ्रेंचबीन, बोदी, सेम, पर मुख्य रूप से पाया जाता है। इसके लक्षण में सफेद मटमैले पाउडरनुमा फफूंद का पत्तों तथा पत्रवृन्तों, या फलों पर उपस्थित होना मुख्य है। रोग प्रतिरोधी किस्में उपयुक्त हैं।

डाउनी मिल्ड्यू (मृदु रोमिल आसिता)

यह कद्दू वर्गीय सब्जियों, गोभी परिवार के पौधा तथा पौधशाला के नवजात बिछड़ों या खेतों में बड़े पौधों के पत्तियों की निचली सतह पर कपास की तरह सफेद मटमैले रंग के फुफुदं का आक्रमण, पत्तों की ऊपरी सतह पर काले पीले धब्बों का अनगनित समूह होता है।

मुरझा रोग

यह एक जीवाणुजनित रोग है जो सोलनेसी परिवार की सब्जियों जैसे, टमाटर, बैगन, मिर्च एवं आलू में लगता है। इनके जीवाणु मृदा में रहते हैं। इसका प्रकोप गर्मी, बरसात में ज्यादा तथा जाड़े के मौसम में कम होता है। इसका मुख्य लक्षण फूलने के समय पौधे का अचानक मुरझाकर सुख जाना है। जिससे काफी नुकसान होता है। इसकी पहचान आसानी से तने के कटे भाग से दुधनुमा स्त्राव को पानी में (उज टेस्ट) देखकर की जा सकती है।

रोग प्रतिरोगी किस्मों से उत्पादन- टमाटर की स्वर्ण लालिमा, स्वर्ण नवीन, अर्का आभा, अर्का आलोक, अर्का वरदान, बी.टी.-17, शक्ति (एल.ई.-79) बी.टी.-10 , बी.टी.-18, सकर किस्मों में अर्का श्रेष्ठ एवं अर्का अभिजीत जीवाणु मुरझा रोग प्रतिरोधी किस्मों की पहचान की गई है। इससे उत्पादन कर लाभ उठाया जा सकता है। इसी प्रकार बैगन की स्वर्ण श्री, स्वर्ण मणि, स्वर्ण प्रतिभा, स्वर्ण श्यामली, अर्का निधि, अर्का केशव या अर्का नीलकंठ, बी.बी.-7. बी.बी.-11 एवं बी.बी. 44 रोग प्रतिरोधी किस्में हैं।

झुलसा रोग

क) अगेती अंगमारी- यह फफूंदजनित रोग है जो टमाटर एवं आलू फसलों में मुख्य रूप से होता है। इस रोग के आरंभिक लक्षणों में पत्तों तथा तनों पर काले भूरे रंग के 1-2 संकेद्रिय धब्बे बनना तथा रोग की उग्रता की स्थिति में अनगिनत धब्बे बनना है। उग्रता की स्थिति में धब्बों का एक दूसरे से मिलकर झुलसा सदृश फैलता तथा पत्तियों का पीला पड़कर झड़ना पाया जाता है। इसके काले भूरे रंग के धब्बे फलों पर भी दिखाई पड़ते हैं जिससे काफी नुकसान होता है।

ख) पिछेती अंगमारी- यह फफूंद जनित रोग है जो टमाटर एवं आलू फसलों में मुख्य रूप से लगता है।

इस रोग के लक्षण में पत्तों के किनारों से काले रंग के जलसिक्त धब्बे पाए जाते हैं जिससे पत्ता झुलसा जाता हैं तनों एंव कच्चे फलों पर जलसिक्त धब्बे पाए जाते हैं जिनसे बरसात के मौसम में सड़न प्रांरभ होती है तथा काफी नुकसान होता है।

ग) फोमोपिसस झुलसा- यह बैंगन का मुख्य फफूंद जनित रोग है । यह रोग ग्रस्त बीजों से फैलता है। इसमें नर्सरी में पत्तों पर काले रंग के धब्बे पाए जाते हैं। तने और पत्तों पर मटमैले भूरे गोलाकार, धंसे धब्बे पाए जाते हैं तथा पत्तों का पीला पड़ना पाया जाता है। फलों पर धब्बा सड़न पैदा करता है जिसमें सड़े एवं सूखे भागों पर पिननुमा अनेकों आकृतियाँ देखती हैं। बैगन की बीज उत्पादन के फसल के लिए यह विशेषरूप से क्षतिकारक बीमारी है।

एंथ्रेक्नोज या काल सुखा रोग

यह फफूंद जनित रोग है जो टमाटर, मिर्च, बैंगन, कद्दू एवं दाल कुल की सब्जियों में पाया जाता है। इनके भूरे काले रंग के धब्बे पत्तों तथा फलों पर पाए जाते हैं तथा पत्तियों का झड़ना एवं फलों का आकार बिगड़ना इनके मुख्य लक्षण हैं।

स्क्लेरोटीनिया सड़न

यह फफूंद जनित रोग है जिसके कारण पौधों में जड़ सड़न, पादगलन, तना सड़न तथा फल सड़न के अलग-अलग लक्षण दिखाई देते हैं। बैंगन आदि में तना, सड़न, सेम कुल एवं गोभी कुल, के पौधों में फलियों की सड़न प्रमुख हैं। अधिक नम मौसम में यह रोग तेजी से फैलता है। रोगग्रसित भाग पर सफेद भूरे फफूंद की कपास-नुमा उपस्थिति के बीच काले भूरे सरसों नुमा अनेकों स्क्लेरोशिया का होना इस रोग का विशेष लक्षण हैं।

एशिया में महत्वपूर्ण पौधा : बाँस

बाँस, ग्रामिनीई कुल की एक अत्यंत उपयोगी घास है, जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र में पाई जाती है। बाँस एक सामूहिक शब्द है, जिसमें अनेक जातियाँ सम्मिलित हैं। मुख्य जातियाँ, बैंब्यूसा , डेंड्रोकेलैमस (नर बाँस) आदि हैं। बैंब्यूसा शब्द मराठी बैंबू का लैटिन नाम है। इसके लगभग 24 वंश भारत में पाए जाते हैं।

बाँस एक सपुष्पक (पौधे में जड़, तना, पत्ती, फूल, फल निश्चित रूप से पाए जाते हैं), आवृतबीजी (जिनसे बीज फल के अंदर ढकी हुई अवस्था में बनते हैं), एक बीजपत्री (बीज के अंदर एक दल होते हैं) पोएसी कुल का पादप है। इसके परिवार के अन्य महत्वपूर्ण सदस्य दूब, गेहूँ, मक्का, जौ और धान हैं।

यह पृथ्वी पर सबसे तेज बढ़ने वाला काष्ठीय पौधा है। इसकी कुछ प्रजातियाँ एक दिन (24 घंटे) में 121 सेंटीमीटर (47.6 इंच) तक बढ़ जाती हैं। थोड़े समय के लिए ही सही पर कभी-कभी तो इसके बढ़ने की रफ्तार 1 मीटर (39 मीटर) प्रति घंटा तक पहुँच जाती है।

इसका तना, लम्बा, पर्वसन्धि युक्त, प्रायः खोखला एवं शाखान्वित होता है। तने को निचले गांठों से अपस्थानिक जड़े निकलती है। तने पर स्पष्ट पर्व एवं पर्वसन्धियाँ रहती हैं। पर्वसन्धियाँ ठोस एवं खोखली होती हैं। इस प्रकार के तने को सन्धि-स्तम्भ कहते हैं। इसकी जड़े अस्थानिक एवं रेशेदार होती है।

इसकी पत्तियाँ सरल होती हैं, इनके शीर्ष भाग भाले के समान नुकीले होते हैं। पत्तियाँ वृन्त युक्त होती हैं तथा इनमें सामानान्तर विन्यास होता है।

यह पौधा अपने जीवन में एक बार ही फल धारण करता है।

फूल सफेद आता है।

पश्चिमी एशिया एवं दक्षिण-पश्चिमी एशिया में बाँस एक महत्वपूर्ण पौधा है। इसका आर्थिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। इससे घर तो बनाए ही जाते हैं, यह भोजन का भी स्त्रोत है। सौ ग्राम बाँस के बीज में 60.36 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और 265.6 किलो कैलोरी ऊर्जा रहती है। इतने अधिक कार्बोहाइड्रेट और इतनी अधिक ऊर्जा वाला कोई भी पदार्थ स्वास्थ्यवर्धक अवश्य होगा।

बाँस की खेती कर कोई भी व्यक्ति लखपति बन सकता है। एक बार बाँस खेत में लगा दिया जायें तो 5 साल बाद वह उपज देने लगता है।

अन्य फसलों पर सूखे एवं कीट बीमारियो का प्रकोप हो सकता है। जिसके कारण किसान को आर्थिक हानि उठानी पड़ती है। लेकिन बाँस एक ऐसी फसल है जिस पर सूखे एवं वर्षा का अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है।

बाँस का पेड़ अन्य पेड़ों की अपेक्षा 30 प्रतिशत अधिक ऑक्सीजन छोड़ता और कार्बन डाईऑक्साइड खींचता है साथ ही यह पीपल के पेड़ की तरह दिन में कार्बन डाईऑक्साइड खींचता है और रात में आक्सीजन छोड़ता है।

बाँस पारिस्थितिकी के अनुकूल, जैव-क्षयी एवं प्राकृतिक निर्माण पदार्थ है जिसमें बेहतर क्षमता एवं निर्माण गुण है। अंग्रेजी का बम्बू शब्द भारतीय शब्द मंबु या बम्बु से उत्पन्न हुआ है। बाँस उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्टेंलिया एवं दक्षिणी एशिया में पाया जाता है। चीन में बाँस की सबसे अधिक प्रजातियाँ पाई जाती है। विभिन्न प्रकार के प्रक्षेत्रों एवं विभिन्न ऊँचाई वाले इलाकों 1/4 समुद्र स्तर से 3500 मीटर की ऊँचाई तक1/2 में बाँस का उत्पादन होता है। बाँस अन्य तीव्र गति से बढ़ने वाले पेड़ों की तुलना में वातावरण से कई गुना ज्यादा कार्बन संरक्षित करता है। बाँस के क्षेत्र मृदा के ऊपरी हिस्से के संरक्षण में सर्वाधिक कारगर हैं।

बाँस से जैव उत्पादन, इसकी प्रजाति, क्षेत्र, वातावरण एवं जलवायु पर निर्भर करता है। इससे जैव उत्पादन 50 से 100 टन प्रति हेक्टेयर हो सकता है। जिसमें 60-70 प्रतिशत कलम, 10-15 प्रतिशत टहनी एवं 15 से 20 प्रतिशत पत्तियाँ होते है। बाँस का एक हेक्टेयर रोपित क्षेत्र प्रति वर्ष वातावरण से 17 टन कार्बन अवशोषित कर सकता है।

बाँस के तीव्र गति से बढने के कारण, एक वर्ष में उचित फसल सुविधा के द्वारा 30 टन बाँस का उत्पादन प्रति हेक्टेयर किया जा सकता है। एक 18 मीटर लम्बे पेड़ को काटने पर उसका पुर्ननिर्माण होने में 30 से 60 वर्ष लग जाते है। इसकी तुलना में 18 मीटर के बाँस को 59 दिनों में वापस उगाया जा सकता है।

बाँस पर साधारणतया 12 से 120 वर्षों में फूल लगते है, और बीजों की प्राप्ति होती है। फूलों एवं बीज हेतु लगने वाला समय बाँस की प्रजाति पर निर्भर करता है। इसका बीज साधारणतया घास के बीज के समान होता है जिसका उपयोग स्थानीय आबादी द्वारा खाद्य पदार्थों में भी किया जाता है।

वर्गीकरण

भारत में पाए जानेवाले विभिन्न प्रकार के बाँसों का वर्गीकरण डॉ? ब्रैंडिस ने प्रकंद के अनुसार इस प्रकार किया है

(क) कुछ में भूमिगत प्रकंद (rhizome) छोटा और मोटा होता है। शाखाएँ सामूहिक रूप से निकलती हैं। उपर्युक्त प्रकंदवाले बाँस निम्नलिखित हैं

1. बैब्यूसा अरंडिनेसी - हिंदी में इसे वेदुर बाँस कहते हैं। यह मध्य तथा दक्षिण-पश्चिम भारत एवं बर्मा में बहुतायत से पाया जानेवाला काँटेदार बाँस है। 30 से 50 फुट तक ऊँची शाखाएँ 30 से 100 के समूह में पाई जाती हैं। बौद्ध लेखों तथा भारतीय औषधि ग्रंथों में इसका उल्लेख मिलता है।
2. बैंब्यूसा स्पायनोसा - बंगाल, असम तथा बर्मा का काँटेदार बाँस है, जिसकी खेती उत्तरी-पश्चिमी भारत में की जाती है। हिंदी में इसे बिहार बाँस कहते हैं।
3. बैंब्यूसा टूल्ला - बंगाल का मुख्य बाँस है, जिसे हिंदी में पेका बाँस कहते हैं।
4. बैंब्यूसा वलगैरिस - पीली एवं हरी धारीवाला बाँस है, जो पूरे भारत में पाया जाता है।
5. डेंड्रोकैलैमस के अनेक वंश, जो शिवालिक पहाड़ियों तथा हिमालय के उत्तर-पश्चिमी भागों और पश्चिमी घाट पर बहुतायत से पाए जाते हैं।

(ख) कुछ बाँसों में प्रकंद भूमि के नीच ही फैलता है। यह लंबा और पतला होता है तथा इसमें एक एक करके शाखाएँ निकलती हैं। ऐसे प्रकंदवाले बाँस निम्नलिखित हैं =

(1) बैंब्यूसा नूटैंस - यह बाँस 5,000 से 7,000 फुट की ऊँचाई पर, नेपाल, सिक्किम, असम तथा भूटान में होता है। इसकी लकड़ी बहुत उपयोगी होती है।

(2) मैलोकेना - यह बाँस पूर्वी बंगाल एवं वर्मा में बहुतायत से पाया जाता है।

बाँस का सबसे उपयोगी भाग तना है। उष्ण कटिबंध में बाँस बड़े-बड़े समूहों में पाया जाता है। बाँस के तने से नई नई शाखाएँ निरंतर बाहर की ओर निकलकर इसके घेरे को बढ़ाती हैं, किंतु समशीतोष्ण एवं शीतकटिबंध में यह समूह अपेक्षाकृत छोटा होता है तथा तनों की लंबाई ही बढ़ती है। तनों की लंबाई 30 से 150 फुट तक एवं चौड़ाई 1/4 इंच से लेकर एक फुट तक होती है। तना में पर्व, पर्वसंधि से जुड़ा रहता है। किसी किसी में पूरा तना ठोस ही रहता है। नीचे के दो तिहाई भाग में कोई टहनी नहीं होती। नई शाखाओं के ऊपर पत्तियों की संरचना देखकर ही विभिन्न बाँसों की पहचान होती है। पहले तीन माह में शाखाएँ औसत रूप से तीन इंच प्रति दिन बढ़ती हैं, इसके बाद इनमें नीचे से ऊपर की ओर लगभग 10 से 50 इंच तक तना बनता है।

तने की मजबूती उसमें एकत्रित सिलिका तथा उसकी मोटाई पर निर्भर है। पानी में बहुत दिन तक बाँस खराब नहीं होते और कीड़ों के कारण नष्ट होने की संभावना रहती है।

बाँस का जीवन 1 से 50 वर्ष तक होता है, जब तक कि फूल नहीं खिलते। फूल बहुत ही छोटे, रंगहीन, बिना डंठल के, छोटे छोटे गुच्छों में पाए जाते हैं। सबसे पहले एक फूल में तीन चार, छोटे, सूखे तुष (glume) पाए जाते हैं। इनके बाद नाव के आकार का अंतपुष्पकवच (palea) होता है। छह पुंकेसर (stamens) होते हैं। अंडाशय (ovary) के ऊपरी भाग पर बहुत छोटे छोटे बाल होते हैं। इसमें एक ही दाना बनता है।